लखनऊ

मंगलवार, 24 मार्च, 2026

वर्ष : 11 । अंक: 210

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

"सफलता का असली आनंद वही ले सकता है जिसने अंधेरों में भी खुद पर विश्वास की लौ जलाए रखी हो।"

TODAY WEATHER

DAY 34° Hi

NIGHT 21° Low

संक्षेप

असम के एयरफोर्स स्टेशन से पाकिस्तानी जासूस गिरफ्तार, 2023 से पाकिस्तान को दे रहा था जानकारी

डिब्रूगढ़। वायुसेना और राजस्थान इंटेलिजेंस की टीम ने असम के वायुसेना अड्डे पर तैनात एक कर्मचारी को पाकिस्तान की जासूसी के आरोप में गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान सुमित कुमार (36) के रूप में हुई है, जो उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले के लाहुरपार का निवासी है और एयरफोर्स स्टेशन में एमटीएस (मल्टी टास्किंग स्टाफ) के पद पर कार्यरत है। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (खुफिया विभाग) प्रफुल्ल कुमार के अनुसार सुमित कुमार अपने पद का दुरुपयोग करते हुए भारतीय वायुसेना से जुड़ी संवेदनशील जानकारियां एकत्रित करता था और उन्हें सोशल मीडिया के माध्यम से पाकिस्तान में बैठे हैंडलर्स तक पहुंचाता था। जांच में सामने आया है कि वह वर्ष 2023 से पाकिस्तानी खुफिया एजेंसियों के संपर्क में था और पैसों के बदले गोपनीय सूचनाएं साझा कर रहा था। इस मामले की शुरुआत जनवरी 2026 में राजस्थान के जैसलमेर निवासी झबराराम की गिरफ्तारी से हुई थी। उससे पूछताछ के दौरान सुमित कुमार का नाम सामने आया। इसके बाद राजस्थान इंटेलिजेंस ने वायुसेना खुफिया विभाग, नई दिल्ली के साथ मिलकर संयुक्त कार्रवाई करते हुए आरोपी को छबुआ से हिरासत में लिया। पूछताछ में यह भी खुलासा हुआ कि आरोपी ने न केवल छबुआ एयरफोर्स स्टेशन बल्कि बीकानेर जिले के नाल एयरफोर्स स्टेशन सहित अन्य सैन्य ठिकानों से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां भी साझा कीं। इनमें लड़ाकू विमानों की लोकेशन, मिसाइल सिस्टम और अधिकारियों व कर्मचारियों से संबंधित गोपनीय सूचनाएं शामिल हैं। इसके अलावा, वह अपने मोबाइल नंबरों के जरिए पाकिस्तानी हैंडलर्स के लिए सोशल मीडिया अकाउंट बनाने में भी मदद करता था।

एनआईए ने जम्मू-कश्मीर के हंदवाड़ा में कारोबारी के आवास पर मारा छापा

हंदवाड़ा। जम्मू कश्मीर के हंदवाड़ा में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की टीम गुप्त जानकारी पर छापेमारी कर रही है। दो गाड़ियों में सवार होकर टीम सुबह ही छापेमारी करने पहुंची। एनआईए की टीमों ने सोमवार सुबह हंदवाड़ा के गुलोरा इलाके में एक कारोबारी के आवास पर छापा मारा। यह छापेमारी संभवतः दिल्ली के लाल किले विस्फोट मामले के संबंध में की जा रही है। एनआईए के अधिकारियों ने कारोबारी के आवास पर पहुंचकर गहन तलाशी ली। टीम ने दस्तावेजों, इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और अन्य सामग्रियों की बारीकी से जांच की। छापेमारी के दौरान कारोबारी के घर हथियारों से लैस सुरक्षाकर्मी मुस्तैद हैं। सूत्रों के मुताबिक, कारोबारी का बम धमाके से कनेक्शन होने की जानकारी मिली है। फिलहाल अभी तक इस मामले में कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। गौरतलब है कि 10 नवंबर 2025 को राष्ट्रीय राजधानी को दहला देने वाले इस भीषण विस्फोट में 11 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि कई अन्य गंभीर रूप से घायल हुए थे। इस हमले का मुख्य आरोपी उमर उन नबी भी विस्फोट में मारा गया था। एनआईए मामले की गहन जांच कर रही है, जिसका उद्देश्य इस कायराना आतंकी हमले के पीछे की पूरी साजिश का पर्दाफाश करना है।

ईरान युद्ध की आंच देश के किसानों तक ना आए, पीएम मोदी ने बताया-सरकार ने क्या किए उपाय

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ईरान युद्ध के बाद पश्चिम एशिया की स्थिति को लेकर सोमवार को लोकसभा को संबोधित किया। इस दौरान पीएम मोदी ने पश्चिम एशिया के हालात पर चिंता जताई और कहा कि इस संकट का असर पूरी दुनिया पर पड़ रहा है। युद्ध ने भारत के सामने अप्रत्याशित चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। पीएम मोदी ने अपने संबोधन में देशवासियों को आश्वस्त करते हुए कहा कि ईरान युद्ध की आंच देश के किसानों तक नहीं आएगी। साथ ही उन्होंने किसानों की हरसंभव मदद का भी आश्वासन दिया है। साथ ही बताया कि इस संकट से निपटने के लिए भारत की ओर से क्या कदम उठाए जा रहे हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि केंद्र सरकार इस संकट से निपटने के

लिए शार्ट-टर्म, मध्यम टर्म और लॉन्ग-टर्म रणनीति पर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार ने एक इंटर-मिनिस्टीरियल ग्रुप बनाया है। उन्होंने कहा कि देश में पर्याप्त अनाज उपलब्ध है।

किसानों ने अन्न के भंडार भर रखे हैं: पीएम मोदी

उन्होंने कहा कि हम स्टेकहोल्डर से चर्चा कर रहे हैं। जहां सपोर्ट की आवश्यकता है वहां दिया जा रहा है। साथ ही कहा कि हमारे किसानों ने अन्न के भंडार भर रखे हैं। खरीफ की पर्याप्त बुआई हो सके इसके प्रयास हैं। पीएम मोदी ने अपने संबोधन में किसानों को विश्वास दिलाया कि उनकी हरसंभव मदद की जाएगी। उन्होंने कहा कि गर्मी का मौसम शुरू हो रहा है, बिजली की डिमांड बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि सभी बिजलीघरों में पर्याप्त कोयला उपलब्ध है। ऊर्जा उत्पादन से लेकर सप्लाई की मॉनिटरिंग की जा रही है। नवीकरणीय ऊर्जा के लिए कई कदम उठाए गए हैं। ऊर्जा की आधी जरूरतें वहीं से आ रही हैं। उन्होंने बताया कि कोरोना के समय भी ग्लोबल सप्लाई चेन डिस्टर्ब हो गई थी। यूरिया की बोरी तीन हजार हो गई थी, लेकिन किसानों को तीन सौ में दी गई।

पिछले दशकों में उठाए कदम आज प्रासंगिक: पीएम मोदी

उन्होंने कहा कि सरकार ने पिछले एक दशक में ऊर्जा सुरक्षा को लेकर जो भी कदम उठाए हैं, वे मौजूदा स्थिति को देखते हुए और भी प्रासंगिक हो गए हैं। उन्होंने कहा कि हमने ईवी पर बल दिया है। पंद्रह हजार बसें राज्यों को दी गईं। पीएम मोदी ने कहा कि ऊर्जा अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। दुनिया भर की अर्थव्यवस्था वर्तमान संकट से प्रभावित हो रही है। भारत कम से कम प्रभावित हो इसके प्रयास किए जा रहे हैं। भारत की अर्थव्यवस्था के फंडामेंटल्स मजबूत हैं इससे मदद मिली है।

पश्चिम एशिया में लड़ाई, पीएम मोदी ने अपनी कूटनीति बताई

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार, 23 मार्च को मिडिल ईस्ट में जारी जंग के मौजूदा हालात पर लोकसभा को संबोधित किया। पीएम मोदी ने यहां साफ कहा कि ये आवश्यक है कि भारत की संसद से इस संकट को लेकर एकमत और एकजुट आवाज दुनिया में जाए। ईरान के खिलाफ पिछले 24 दिन से जारी अमेरिका और इजरायल की ओर से शुरू की जंग पर भारत के स्टैंड को एकबार फिर सामने रखा और कहा कि बातचीत और कूटनीति ही समस्या का समाधान है। पीएम मोदी ने कहा कि यह युद्ध मानवता के हित में नहीं है। भारत सभी पक्षों को शांतिपूर्वक युद्ध समाप्त करने के लिए प्रोत्साहित कर रहा है। पीएम मोदी ने लोकसभा को बताया, 'कूटनीति में भारत की भूमिका स्पष्ट है। हमने शुरू से ही इस संघर्ष के बारे में अपनी गहरी चिंता व्यक्त की है। मैंने पश्चिम एशिया के सभी संबंधित नेताओं से व्यक्तिगत रूप से बात की है। मैंने सभी से तनाव कम करने और इस संघर्ष को समाप्त करने का आग्रह किया है। भारत ने नागरिकों, ऊर्जा और परिवहन बुनियादी ढांचे पर हमलों की निंदा की है। वाणिज्यिक जहाजों पर हमले और होर्मुज जलडमरूमध्य जैसे अंतरराष्ट्रीय जलमार्गों को अवरुद्ध करना अस्वीकार्य है। भारत इस युद्ध जैसे माहौल में भी भारतीय जहाजों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए कूटनीति के जरिए लगातार प्रयास कर रहा है।' पीएम मोदी ने आगे कहा, 'भारत ने हमेशा मानवता के कल्याण और शांति की वकालत की है। मैं दोहराता हूं कि बातचीत और कूटनीति ही इस समस्या का एकमात्र समाधान है। हमारे सभी प्रयासों का उद्देश्य तनाव कम करना और इस संघर्ष को समाप्त करना है। इस युद्ध में किसी की जान खतरे में डालना मानवता के हित में नहीं है। इसलिए, भारत का प्रयास सभी पक्षों को जल्द से जल्द शांतिपूर्ण समाधान तक पहुंचने के लिए प्रोत्साहित करना है। जब ऐसे संकट आते हैं तो कुछ तत्व उनका फायदा उठाने की कोशिश करते हैं। इसलिए सभी कानून व्यवस्था एजेंसियों को अलर्ट पर रखा गया है। सुरक्षा को और मजबूत किया जा रहा है, चाहे वह तटीय सुरक्षा हो, सीमा सुरक्षा हो, साइबर सुरक्षा हो, या रणनीतिक प्रतिष्ठान हों।'

युद्ध का असर लंबा चल सकता है, हमें कोरोना संकट की तरह तैयार: पीएम मोदी

पीएम मोदी ने लोकसभा में बताया कि ईरान-इजरायल जंग का असर लंबा चल सकता है। हमें कोरोना संकट की तरह तैयार रहना होगा। हमें तैयार रहना होगा और एकजुट रहना होगा, हम कोरोना के समय भी ऐसी चुनौती का सामना कर चुके हैं। हालांकि, हम भारत की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए वैकल्पिक उपाय भी तलाश रहे हैं।

देशभर में पेट्रोल और डीजल की आपूर्ति सुचारू रूप से जारी है: प्रधानमंत्री

पश्चिम एशिया संघर्ष पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, रयुद्ध शुरू होने के बाद से 3,75,000 से अधिक भारतीय सुरक्षित रूप से भारत लौट चुके हैं। ईरान से अब तक लगभग 1,000 भारतीय सुरक्षित लौट चुके हैं, जिनमें से 700 से अधिक मेडिकल छात्र हैं। स्थिति को देखते हुए, सीबीएसई ने खाड़ी देशों के स्कूलों में कक्षा 10 और 12 की परीक्षाएं रद्द कर दी हैं और छात्रों की शिक्षा बिना किसी बाधा के जारी रखने के लिए आवश्यक कदम उठा रहा है। बड़ी मात्रा में कच्चा तेल, गैस, उर्वरक और कई आवश्यक वस्तुएं होर्मुज जलडमरूमध्य मार्ग से भारत आती हैं। युद्ध शुरू होने के बाद से होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों की आवाजाही बेहद चुनौतीपूर्ण हो गई है। इसके बावजूद, हमारी सरकार ने यह सुनिश्चित करने के प्रयास किए हैं कि पेट्रोल, डीजल और गैस की आपूर्ति गंभीर रूप से प्रभावित न हो। जैसा कि हम सभी जानते हैं, देश अपनी एलपीजी आवश्यकता का 60% आयात करता है। आपूर्ति में अनिश्चितता के कारण, सरकार ने घरेलू एलपीजी उपभोक्ताओं को प्राथमिकता दी है। साथ ही, एलपीजी का घरेलू उत्पादन भी बढ़ाया जा रहा है।

राहुल गांधी का पीएम मोदी पर बड़ा अटैक : ट्रंप के कंट्रोल में हैं, संसद में बहस नहीं कर सकते

नई दिल्ली, एजेंसी। आज लोकसभा में पश्चिम एशिया की स्थिति पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भाषण पर टिप्पणी करते हुए, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने अमेरिका का नाम न लेने के लिए उनकी आलोचना की और कहा कि वे राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पूरी तरह से नियंत्रण में हैं। वडोदरा में आदिवासी अधिकार संविधान सम्मेलन को संबोधित करते हुए कांग्रेस सांसद ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी संसद में बहस नहीं कर सकते क्योंकि वे समझौता कर चुके हैं।

राहुल ने कहा कि सुना है... प्रधानमंत्री ने 25 मिनट का भाषण दिया है। लेकिन मेरी गारंटी है- वो पार्लियामेंट में डिबेट नहीं कर सकते, क्योंकि Compromised हैं। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी ने अभी 25 मिनट का भाषण दिया, लेकिन अमेरिका के खिलाफ एक शब्द नहीं बोला। नरेंद्र मोदी 100% ट्रंप के कंट्रोल में हैं। ट्रंप के सामने नरेंद्र मोदी 'चूं' तक नहीं कर सकते। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि ट्रंप ने नरेंद्र मोदी को 'कंट्रोल' कर रखा है। दो कारण हैं: पहला Epstein और दूसरा Adani। नरेंद्र मोदी ने ट्रंप से कहा: आप जो हुक्म करेंगे, हम वही करेंगे। हम आपसे पूछे बिना किसी से तेल और नेचुरल गैस नहीं खरीदेंगे।

अपने हमला जारी रखते हुए राहुल ने कहा कि नरेंद्र मोदी ने ट्रेड डील कर भारत का कृषि सेक्टर अमेरिका के लिए खोल दिया। हमारे यहां छोटे खेत होते हैं, वहीं अमेरिका में हजारों एकड़ के बड़े खेत होते हैं। हमारे यहां लोग हाथ से काम करते हैं और वहां बड़ी मशीनों से काम होता है। अगर अमेरिका का माल भारत आने लगा तो हमारे किसान बर्बाद हो जाएंगे। हमें मिलकर संविधान की रक्षा करनी है। संविधान की रक्षा में ही हिंदुस्तान के आदिवासियों, गरीबों, मजदूरों की रक्षा है। अगर संविधान खत्म हो गया तो हमारे पास कुछ नहीं बचेगा।

उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी और BJP का पूरा फाइनेंशियल स्ट्रक्चर अडानी है। नरेंद्र मोदी ने देशभर के पोर्ट, एयरपोर्ट, सीमेंट कंपनी, सोलर पॉवर, विंड पॉवर और सारा इन्फ्रास्ट्रक्चर अडानी को सौंप दिया। अमेरिका में अडानी पर जो केस है, दरअसल वो नरेंद्र मोदी को धमकाने के लिए है। अमेरिका का नरेंद्र मोदी को सीधा मैसेज है कि ज्यादा ऊटपटांग हरकत की तो समझ लेना। ट्रंप ने साफ कहा है- मैं मोदी का करियर ख़त्म कर सकता हूं। राहुल ने कहा कि हम चाहते हैं- हिंदुस्तान में जितनी जगह दूसरों को मिलती है, उतनी ही जगह आदिवासियों को मिले।

अखिलेश यादव का महिलाओं के लिए बड़ा ऐलान, सालाना 40 हजार रुपये पेंशन देने की घोषणा

नई दिल्ली, एजेंसी। यूपी में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले सभी दल फिलहाल पंचायत चुनाव की तैयारियों में लगे हैं। इसी सिलसिले में महिला वोटरों को अपने पाले में खींचने की कोशिशें भी शुरू हो गई हैं। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने महिला वोटरों के लिए बड़ा ऐलान कर दिया है। अखिलेश यादव ने कहा है कि अगर 2027 में उनकी सरकार बनी तो वो महिलाओं को सालाना 40 हजार रुपये पेंशन देंगे। साथ ही नारी समृद्धि सम्मान योजना शुरू की जाएगी।

समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि अगर उनकी पार्टी 2027 में उत्तर प्रदेश में सत्ता में आती है, तो पुनर्जीवित समाजवादी पार्टी पेंशन योजना के तहत वंचित महिलाओं को प्रति वर्ष 40,000 रुपये मिलेंगे। लखनऊ स्थित पार्टी कार्यालय में बोलते हुए उन्होंने कहा कि

महिलाओं की आर्थिक स्थिति में सुधार और उन्हें अधिक आत्मनिर्भरता प्रदान करने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। उन्होंने महिलाओं के कल्याण और सशक्तिकरण के उद्देश्य से पहले से चल रही योजनाओं को फिर से शुरू करने और नई योजनाएं शुरू करने की बात भी कही।

अखिलेश यादव ने कहा कि महिलाएं समाज का अहम हिस्सा हैं और राज्य के समग्र विकास के लिए उनकी प्रगति आवश्यक है। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी महिलाओं को सम्मान और समर्थन देने के लिए रानी लक्ष्मीबाई जैसी योजनाओं को फिर से शुरू करने की योजना बना रही है। उन्होंने सामाजिक और आर्थिक समानता सुनिश्चित करने के लिए और खासकर कमजोर वर्गों की महिलाओं के लिए नए कार्यक्रम शुरू करने की बात भी कही। उनके अनुसार, महिलाओं का सशक्तिकरण राज्य के भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

अखिलेश यादव ने कानून-व्यवस्था को लेकर भाजपा सरकार की कड़ी आलोचना की। उन्होंने दावा किया कि अपराध बढ़ रहे हैं और लोग, विशेषकर महिलाएं, असुरक्षित महसूस कर रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि व्यवस्था का राजनीतिक उद्देश्यों के लिए दुरुपयोग किया जा रहा है। अखिलेश यादव ने कहा कि जब तक सरकार नहीं बदलती, स्थिति में सुधार नहीं होगा।

आतंकवाद से जुड़े मामले में एनआईए की बड़ी कार्रवाई, कश्मीर में कई जगहों पर छापेमारी

श्रीनगर। राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने कश्मीर में सोमवार को कई जगहों पर छापेमारी की है। यह कार्रवाई आतंकवाद से जुड़े एक मामले को लेकर की गयी है। जिसमें कुपवाड़ा और कुलगाम में तलाशी अभियान चलाया गया है।

जानकारी के अनुसार, राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने सीआरपीएफ और जम्मू-कश्मीर पुलिस के साथ कुलगाम जिले में तलाशी अभियान चलाया। अधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने सोमवार को कश्मीर में आतंकवाद से जुड़े एक मामले के सिलसिले में कई जगहों पर छापेमारी की। अधिकारियों के अनुसार, ये तलाशी कुपवाड़ा जिले के हंदवाड़ा इलाके और कुलगाम जिले में की गई। यह ऑपरेशन संदिग्ध गतिविधियों और नेटवर्क को खंगालने के लिए किया गया है।

न्यूयॉर्क का लागुआर्डिया हवाई अड्डे बंद! Air Canada प्लेन क्रैश के बाद अफरातफरी, 2 पायलटों ने गंवाई जान

नई दिल्ली, एजेंसी। न्यूयॉर्क के लागुआर्डिया हवाई अड्डे पर एयर कनाडा एक्सप्रेस का एक विमान एक वाहन से टकरा गया, जिससे पायलट और सह-पायलट की मौत हो गई और कई अन्य लोग घायल हो गए। बताया जा रहा है कि यह विमान एयर कनाडा सीआरजे की AC8646 उड़ान थी। खबरों के मुताबिक, विमान रनवे 04/22 पार करने की कोशिश करते समय ट्रक 1 नामक एक दमकल ट्रक से टकरा गया। टक्कर के बाद, संघीय विमानन प्रशासन (एफएए) ने लागुआर्डिया हवाई अड्डे को बंद करने और सभी वाहनों को रोक देने की घोषणा की।

फ्लाइट ट्रैकिंग डेटा से पता चला कि टक्कर के समय विमान जमीन पर चल रहा था। ऑनलाइन प्रसारित हो रहे वीडियो में विमान को काफी नुकसान दिखाई दे रहा है, हालांकि इंडिया टीवी

ने अभी तक इन दृश्यों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं की है। हवाई अड्डे या एयरलाइन अधिकारियों द्वारा अभी तक कोई आधिकारिक आंकड़े या विस्तृत पुष्टि जारी नहीं की गई है।

न्यूयॉर्क के आपातकालीन प्रबंधन प्राधिकरण ने लोगों से क्वींस स्थित लागुआर्डिया हवाई अड्डे के पास उड़ानों के रद्द होने, सड़कों के बंद होने, यातायात में देरी और आपातकालीन कर्मियों की मौजूदगी की आशंका जताई है। अधिकारियों ने यात्रियों को भीड़भाड़ से बचने के लिए वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करने की सलाह दी है। हवाई अड्डे की वेबसाइट के अनुसार, सोमवार सुबह तक लागुआर्डिया से जाने वाली सभी उड़ानें या तो विलंबित थीं या रद्द कर दी गई थीं।

सोमवार तड़के लागुआर्डिया हवाई अड्डे पर एक विमान और वाहन के बीच टक्कर की सूचना मिलने पर दमकलकर्मी तुरंत मौके पर पहुंचे। शहर के अग्निशमन विभाग ने 'रनवे पर विमान और वाहन से जुड़ी एक घटना की सूचना पर कार्रवाई की,' एक प्रवक्ता ने ईमेल में बताया।

हवाई यातायात नियंत्रण केंद्र की ऑडियो रिकॉर्डिंग

हवाई अड्डे के हवाई यातायात नियंत्रण टावर की ऑडियो रिकॉर्डिंग सोशल मीडिया पर वायरल हो गई है, जिसमें अधिकारी अप्रत्याशित टक्कर पर प्रतिक्रिया देते हुए 'रुको, रुको, रुको!' चिल्लाते हुए सुनाई दे रहे हैं।

आपके लिए विकास से ज्यादा त्योहार जरूरी, सुप्रीम कोर्ट की ममता सरकार को फटकार, कहा- हम बहाना नहीं देंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल सरकार को फटकार लगाई है। ये कोलकाता में मेट्रो रेल परियोजना का राजनीतिकरण करने और उसे रोकने के लिए फटकार लगाई गई है। सुनवाई के दौरान जस्टिस जॉयमाल्य बागची ने कहा कि आपने हाई कोर्ट में कहा था कि हमें त्योहारों का आयोजन करना है। उन्होंने कहा कि इसलिए हम निर्माण कार्य के लिए पुलिस सहायता नहीं दे सकते हैं। आपके लिए त्योहार विकास से ज्यादा महत्वपूर्ण हैं।

उन्होंने कहा कि हम लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई राज्य सरकार को यह पसंद नहीं करते कि वह हमारे दरवाजे पर आकर कहे कि कृपया आकर हमारी मदद करें। यह परियोजना राष्ट्रीय परिषद की घोषणा से पहले ही घोषित

कर दी गई थी। हम आपको इसे विकास रोकने का एक और बहाना नहीं बनाने देंगे।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हमें ये बिल्कुल पसंद नहीं

सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में दर्ज किया कि यह केवल अधिकारियों के हठधर्मी रवैये को दर्शाता है। इसके तहत वे कोलकाता शहर में मेट्रो रेल परियोजना में देरी और उसे रोकना चाहते हैं। हाईकोर्ट की ओर से पारित आदेश में कोई खामी नहीं थी, हमें विश्वास है कि परियोजना समयबद्ध तरीके से पूरी हो जाएगी। कोर्ट ने कहा कि हमें यह बिल्कुल पसंद नहीं है कि राज्य सरकार हमारे दरवाजे पर आकर कहे कि कृपया आइए और हमें बचाइए।

उन्होंने कहा कि हर चीज का राजनीतिकरण न करें। यह विकास से जुड़ा मुद्दा है। सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस ने यह टिप्पणी की। राज्य सरकार ने सार्वजनिक सुरक्षा और जरूरी सेवाओं से जुड़ी चिंताओं का हवाला देते हुए अपने पक्ष का बचाव किया। सरकार ने बताया कि एम्बुलेंस और अंग प्रत्यारोपण वाले वाहन अक्सर इस प्रभावित कॉरिडोर का इस्तेमाल करते हैं, इसलिए उसे ट्रैफिक व्यवस्था संभालने के लिए और समय चाहिए। हालांकि, बेंच इससे संतुष्ट नहीं हुई। चीफ जस्टिस ने कहा कि राज्य के अधिकारियों की तरफ से गंभीर चूक होने के बावजूद, हाई कोर्ट ने काफी संयम दिखाया है।

'पुलिस कितनी असंवेदनशील हो गई है'...बच्ची से रेप केस की जांच के तौर-तरीके से CJI भी हैरान

नई दिल्ली, एजेंसी। गुरुग्राम में 4 साल की बच्ची से दुष्कर्म के मामले में आज सुप्रीम कोर्ट को कड़ी फटकार लगाई। शीर्ष अदालत ने पुलिस से तल्ख लहजे में कहा कि आप लोग कितने असंवेदनशील हो गए हैं। कोर्ट ने मजिस्ट्रेट को भी कड़े शब्दों में डांट लगाते हुए कहा कि आपने मासूम बच्ची से आरोपी की मौजूदगी में बार-बार सच बोलने का दबाव बनाया। कोर्ट ने ये भी कहा कि इतने छोटे बच्चे के मामले में जिस तरह की संवेदनहीनता दिखाई गई, वह बेहद चिंताजनक है।

सुप्रीम कोर्ट ने 4 साल की मासूम बच्ची के साथ हुए रेप केस में पुलिस और मजिस्ट्रेट को खूब फटकार लगाई। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली तीन जजों की पीठ में जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम पंचोली भी शामिल थे। पीठ ने मामले की सुनवाई के दौरान कई गंभीर सवाल उठाए।पीठ ने कहा कि यह बेहद चौंकाने वाली बात है कि मजिस्ट्रेट ने 4 साल की बच्ची से आरोपी की मौजूदगी में सवाल पूछे और उसे बार-बार "सच बोलो-सच बोलो बोलने का दबाव बनाया।

अदालत ने कहा कि पॉक्सो के मामलों में आरोपी को बच्चे के सामने या उसके करीब नहीं रखा जा सकता और ऐसे मामलों में बच्चे की सुरक्षा और संवेदनशीलता सर्वोपरि होती है। सुनवाई के दौरान अदालत ने पुलिस की भूमिका पर भी कड़े सवाल उठाए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यदि शिकायत दर्ज नहीं भी हुई थी, तब भी पुलिस को स्वतः एफआईआर दर्ज करनी चाहिए थी।अदालत ने पुलिस को कड़े शब्दों में फटकार लगाते हुए कहा कि पुलिस कितनी असंवेदनशील हो गई है।

उन्नाव में भीषण हादसा... ड्राइवर को आ गई झपकी, डिवाइडर से टकराकर पलटी बस, 1 महिला की मौत और 22 घायल

आर्यावर्त संवाददाता

उन्नाव। यूपी के उन्नाव में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर सोमवार की सुबह भीषण सड़क हादसा हुआ है। इस हादसे में एक महिला की मृत्यु हो गई है और 22 से ज्यादा लोग घायल बताए जा रहे हैं। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस और यूपीडा की टीम ने सभी घायलों को इलाज के लिए सीएससी बांगरमऊ भेजा है। बताया जा रहा है ड्राइवर को नींद आने के कारण बस अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराकर पलट गई। घटना बांगरमऊ थाना क्षेत्र की है।

जानकारी के मुताबिक, आगरा लखनऊ एक्सप्रेस वे पर किलोमीटर संख्या 239 सोमवार की सुबह करीब 7 बजे दिल्ली से लखनऊ की तरफ जा रही एक स्लीपर बस अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। फिर डिवाइडर से टकराने के बाद पलट गई। इस बस में कुल 52 सवारी बैठी थीं, जिसमें से एक महिला की मौत हुई है। वहीं 22 लोग से ज्यादा घायल बताए जा रहे हैं। जिस समय यह घटना हुई थी उस समय बस में बैठी ज्यादातर सांवरिया नींद में थीं और अचानक झटका लगने से चीख पुकार मच गई। जिस महिला की मौत हुई है वह लखनऊ की रहने वाली बताई जा रही है। हादसा इतना भयंकर था की बस में लगे पहिए टूटकर अलग हो गए।

घटना की सूचना मिलते ही एसडीएम बांगरमऊ ब्रज मोहन शुक्ला और क्षेत्राधिकारी (सीओ) संतोष सिंह बांगरमऊ सीएचसी पहुंचकर घायलों का हालचाल जाना और चिकित्सकों को बेहतर उपचार के निर्देश दिए। प्रशासन ने हादसे की जांच शुरू कर दी है। प्राथमिक जांच में चालक को झपकी आना दुर्घटना का मुख्य कारण बताया जा रहा है। पुलिस ने बस को हटाकर यातायात सुचारु कराया और आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

दो लोगों को लखनऊ रेफर किया

सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची बांगरमऊ लोकल थाने की पुलिस और यूपीडा की टीम ने राहत और बचाव कार्य शुरू करते हुए बस में सवार सभी घायलों को इलाज के लिए बांगरमऊ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया, जहां से गंभीर हालत में दो लोगों को लखनऊ के लिए रेफर किया गया है। बाकी लोगों को इलाज जिला अस्पताल उन्नाव में चल रहा है। इसके साथ ही सड़क पर पलटी बस को क्रेन के माध्यम से सीधा कर उसे हाईवे के किनारे खड़ा कराया गया और उसके बाद आवागमन चालू हो सका।

अवैध निर्माण : सिस्टम की आँखों के सामने, बेआबरू हो रहे सरकारी फरमान

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। शहर के मुख्य चौराहे में शुमार मेजरगंज नेशनल टॉकीज के ठीक सामने अवैध निर्माण का खेल बेखौफ जारी है। हैरानी की बात यह है कि खबर चलने के बाद कुछ समय के लिए काम रुका, लेकिन आज फिर उसी रफ्तार से निर्माण शुरू हो गया कृ मानो कानून सिर्फ दिखावे के लिए हो!अब सवाल ये उठता है कि अवैध निर्माण के खुला खेल फरूख्खाबादी के जुमले पर प्रसह किसका? नगर कोतवाल या घंटाघर चौकी इंचार्ज इन अवैध निर्माणकर्ता के किन परिस्थितियों में सरपरस्त बनें है यह तो फिलहाल विभागीय जांच का विषय बना हुआ है या फिर यूँ कहें कि इस मामले की गूंज कहीं हाकिम मैडम तक न पहुंचे इसके लिए बकायदा तमाम हथकंडे भी तैयार रखे गए हैं । सूत्रों की मानें तो मामला सिर्फ अवैध निर्माण का नहीं, बल्कि "मोटे खेल" की मजबूत नींव पर पिलर खड़ा किया है, जिसकी भूमिका शाहगंज चौकी में चांदनी रात में तय की गयी है । शायद यही वजह है कि कार्रवाई की जगह खामोशी की दीवार खड़ी होकर मौन स्वीकृति देती नजर आ रही है। 'क्या नियम सिर्फ आम जनता के लिए हैं?' क्या यह निर्माण किसी अदृश्य संरक्षण में पल रहा है? कागजों पर रोक का आदेशित कानून चौराहे पर खड़ा तमाशा देख रहा है और जिम्मेदार अधिकारी मौन साधे बैठे हैं। अब देखना यह है कि प्रशासन जागेगा या फिर ये "अवैध महल" ऐसे ही खड़ा होता रहेगा... बहरहाल एसपी चारू निगम के पुलिसिंग में कहीं कोई कोर कसर दिखती नजर नहीं आ रही है।

स्मार्ट मीटर को लेकर ठगी का आरोप, उपभोक्ताओं में आक्रोश

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। जनपद में स्मार्ट मीटर को लेकर उपभोक्ताओं में भारी असंतोष देखने को मिल रहा है। बिजली उपभोक्ताओं का आरोप है कि स्मार्ट मीटर के नाम पर मनमाने तरीके से बिल भेजे जा रहे हैं और समय पर बिल अपडेट भी नहीं हो रहे, जिससे लोग परेशान हैं।

इन्हीं समस्याओं को लेकर नगरपालिका के पूर्व प्रत्याशी वरुण मिश्र और अधिवक्ता राघवेंद्र सिंह ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर अतिरिक्त मैजिस्ट्रेट को ज्ञापन सौंपा और मामले में तत्काल हस्तक्षेप की मांग की। वरुण मिश्र ने कहा कि स्मार्ट मीटर के नाम पर जनता को ठगने का काम किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि नाम भले ही स्मार्ट मीटर हो, लेकिन इसका काम लोगों को परेशान करना है। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि स्मार्ट मीटर का बहिष्कार करें और इसे न लगवाएं।वहीं, अधिवक्ता व आरटीआई एक्टिविस्ट राघवेंद्र सिंह ने कहा कि स्मार्ट मीटर में कई खामियां हैं और उपभोक्ताओं की समस्याएं सुनने वाला कोई नहीं है। उन्होंने कहा कि अधिकारी मस्त हैं और जनता त्रस्त है, लेकिन यह स्थिति ज्यादा दिन नहीं चलेगी। इस मौके पर अख्तर राइन, धर्मात्मा सिंह, हिमांशु मिश्रा, प्रभाशंकर पाण्डेय, गौरव सिंह, संतोष तिवारी और आकाश शुक्ल सहित कई लोग मौजूद रहे। सभी ने एक स्वर में चेतावनी दी कि यदि 15 दिनों के भीतर कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई तो सड़कों पर उतरकर आंदोलन किया जाएगा।

दो बीवी, 18 बच्चे, तीसरी महिला से अफेयर, प्रेमिका से मिलने गए पूर्व प्रधान का कत्ल, 'प्यार' ने इसलिए मारा

आर्यावर्त संवाददाता

प्रतापगढ़। मृतक 18 बच्चों का पिता था। महिला पुलिस की हिरासत में है। अन्य दो आरोपियों की तलाश जारी है। मानधाता थाना क्षेत्र के मिश्रपुर मुस्तरका के पूर्व प्रधान गुलहसन (50) उर्फ मुन्ना बाइक से 18 मार्च को बाजार की ओर निकले थे।

परिजनों के अनुसार, दो दिन तक पता न चलने पर अनहोनी की आशंका जताते हुए मानधाता थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई गई थी। तीसरे दिन उनकी बाइक, चाबी और हेलमेट मऊआइमा कल्याणपुर के समीप महरोड़ा में मिला, जिसे मऊआइमा पुलिस थाने ले गई।

इसके बाद मानधाता व मऊआइमा पुलिस पूर्व प्रधान की खोजबीन में जुट गई। एएसपी पूर्वी शैलेंद्र लाल ने बताया कि परिवार के लोगों के शक जताने व मोबाइल की कॉल डिटेल के आधार पर पुलिस टीम ने ससुराल मिश्रपुर मुस्तरका से जेठवारा के बगियापुर मायके गई सुमन देवी को हिरासत लिया।

प्रेमिका ने स्वीकार किया जुर्म

पूछताछ में उसने गुलहसन की हत्या का जुर्म स्वीकार कर लिया। बताया कि उसने उसे परेशान कर रखा था। पीछा छुड़ाने के लिए उसने भाई व उसके दोस्त के साथ मिलकर हत्या कर दी। इसके बाद शव को उर्वरक की बोरी में भरकर शारदा सहायक नहर में फेंक दिया।

देखते ही देखते लोगों की भीड़ जमा

रविवार की सुबह सुमेरपुर में शारदा सहायक नहर में बोरी में भरा शव मिला। मौके पर पहुंची पत्नी किस्मतुल निशा ने शव की शिनाख्त अपने पति गुलहसन के रूप में की। फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल की छानबीन व साक्ष्य संकलन के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। देखते ही देखते लोगों की भीड़ जमा हो गई।

पूर्व प्रधान की हत्या प्रेम प्रसंग में हुई है। पहले से दर्ज गुमशुदगी के केस को हत्या में परिवर्तित किया जाएगा। महिला से पूछताछ की जा रही है। अन्य आरोपियों की तलाश में दबिश दी जा रही है।

-शैलेंद्र लाल, एएसपी

दो शादियां कीं, एक साथ रहते हैं सभी

हत्या से मिश्रपुर मुस्तरका गांव में सन्नाटा पसरा हुआ है। गुलहसन ने दो शादियां की थीं। पहली पत्नी किस्मतुल निशा और दूसरी अम्बिया बानो हैं। दोनों से कुल 18 बच्चे हैं। दोनों परिवार साथ ही रहते हैं। केवल एक बेटी की शादी हुई है। लोगों का कहना है कि वह हंसमुख स्वभाव और लोगों के लिए मददगार थे लेकिन बदनीयती जिंदगी पर भारी पड़ गई। देर शाम शव को गांव के ही कब्रिस्तान में सुपुर्दे खाक कर दिया गया।

प्रेमिका ने बुलाकर कराई हत्या

पुलिस के अनुसार, सुमन ने बताया कि लंबे समय से उसका गुलहसन से प्रेम संबंध था। काफी दिनों से वह मिलने का दबाव बना रहा था। ब्लैकमेल भी कर रहा था, इससे परेशान होकर सुमन ने हत्या की साजिश रची। 18 मार्च की रात गुलहसन उससे मिलने जेठवारा बगियापुर पहुंचा था, जहां सुमन ने अपने भाई अतुल गौतम और उसके दोस्त अरुण गौतम के साथ मिलकर रॉड से हमला कर उसकी हत्या कर दी।

एसडीएम पति-पत्नी के बीच विवाद, महिला थाने में एफआईआर, शादी के पहले से ही इस बात को लेकर हो गया था मनमुटाव

आर्यावर्त संवाददाता

प्रतापगढ़। जनपद चंदौली सदर तहसील में तैनात एसडीएम दिव्या ओझा के पिता ने अपने दामाद पीडीडीयू नगर के तहसील में तैनात एसडीएम अनुपम मिश्रा और उनके परिवार वालों के खिलाफ महिला थाने में दहेज उत्पीड़न की प्राथमिकी दर्ज कराई है।

शहर के शुकुलपुर दहिलामऊ की रहने वाली एसडीएम दिव्या मिश्रा के पिता पूर्व प्राचार्य निशाकांत ओझा ने दर्ज कराई गई एफआईआर में बताया कि उन्होंने अपनी एसडीएम बेटी दिव्या ओझा की शादी एक दिसंबर 2020 को प्रयागराज जनपद के नैनी एमआईजी -11 एडीए कॉलोनी के रहने वाले एसडीएम अनुपम मिश्रा के साथ की थी।

दहेज में 20 करोड़ रुपये की मांग की गई लेकिन उन्होंने मना कर दिया था। हैसियत के अनुसार सगाई से पूर्व 38 लाख रुपये, 40 लाख के जेवरात व सात लाख के सामान दिए। विवाह के पश्चात उनकी बेटी को दहेज के लिए निरंतर मानसिक एवं शारीरिक प्रताड़ना दी गई। कई बार गला दबाकर जान से मारने का प्रयास किया गया।

चंदौली जनपद के अधिकारियों को घटना की जानकारी दी गई लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। तंत्र-मंत्र भी बेटी पर किया गया। चंदौली प्रशासन के कार्रवाई न करने पर एडीएम दिव्या ओझा के पिता निशाकांत ओझा ने एसपी से मिलकर शिकायती पत्र दिया।

जिसके आधार पर महिला थाने में एसडीएम अनुपम मिश्रा, उनके पिता प्रमोद मिश्रा, मां शशि मिश्रा, बहन पूजा पांडेय व प्रीति पांडेय के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई गई।

पूर्व मंत्री की भतीजी हैं एसडीएम दिव्या ओझा

चंदौली सदर की एसडीएम दिव्या ओझा भाजपा के वरिष्ठ नेता व प्रदेश के पूर्व मंत्री की भतीजी हैं। इस घटना से परिवार के लोग खासे परेशान हैं।

> एसडीएम दिव्या ओझा के पिता की तहरीर पर उनके पति एसडीएम अनुपम मिश्रा व परिजनों के खिलाफ दहेज उत्पीड़न की प्राथमिकी दर्ज हुई है। विवेचना के बाद विधिक कार्रवाई होगी।
> - प्रशांत राज हुड्डा, सीओ सिटी

शादी के पहले से दहेज की मांग को लेकर हो गया था मनमुटाव

चंदौली एसडीएम दिव्या ओझा के पिता के अनुसार शादी तय होने के पहले ही अनुपम मिश्रा के परिजनों ने 20 करोड़ रुपये व इनोवा कार की मांग की थी। जिसे देने से मना कर दिया था। इसे लेकर मनमुटाव भी था लेकिन रिश्ता हो जाने पर सबकुछ ठीक होने की उम्मीद के चलते विवाह कर दिया गया।

अनुपम की दोनों बहनें अनुपम के कार्यस्थल वाले निवास पर भी रहती थीं, जिससे विवाद की नौबत आती रही। पारिवारिक मामलों में बराबर दखल देती रहीं। बेटी पर नौकरी छोड़ने का भी दबाव बनाया जाता रहा। अनुपम के ननिहाल के लोगों से जिंदगी बर्बाद कराने की धमकी भी दी जाती थी।

20 वर्ष तक तलाक न देने व उनकी बेटी के जेवरात व रुपये रख लिए गए। उसे ब्लैकमेल भी किया जाता रहा। उसे तंत्र क्रियाओं के जरिए पागल घोषित करने का भी प्रयास किया गया। एसडीएम के पिता ने बेटी की सुरक्षा में पुलिसकर्मी तैनात करने, स्त्रीधन वापस बरामद कराते हुए प्रकरण की जांच कार्रवाई की मांग की।

हरिभजन यादव की मशीन से गन्ना खेती में बदलाव

दोस्तपुर/सुल्तानपुर। क्षेत्र में गन्ना खेती अब धीरे-धीरे आधुनिक तकनीक की ओर बढ़ रही है, जिसमें मशीन मालिकों की भूमिका भी अहम होती जा रही है। गोसैसिंहपुर कनकपुर गांव में इसका जीवंत उदाहरण देखने को मिला, जहां ऑटो केन प्लांटर मशीन के जरिए गन्ने की बुआई कराई गई। यह मशीन मोतिगरपुर विकास खण्ड के भदिला गांव निवासी हरिभजन यादव द्वारा खरीदी गई है, जो क्षेत्र के किसानों को आधुनिक कृषि सेवाएं उपलब्ध करा रहे हैं। मशीन का संचालन उनके पुत्र मस्तराम यादव द्वारा किया जा रहा है, जो कुशल चालक के रूप में पूरी प्रक्रिया को सहजता से अंजाम देते हैं। इस तकनीक के उपयोग से किसानों को बिना अधिक निवेश के उन्नत खेती का लाभ मिल रहा है। प्रगतिशील किसान नरेन्द्र प्रताप सिंह एवं चन्द्रिका प्रसाद सिंह के खेत में इस मशीन से प्रजाति के गन्ने की बुआई की गई, जिसे देखने के लिए आसपास के किसानों में खासा उत्साह देखा गया।

प्रेमी ने दिया धोखा तो थाने पहुंच गई प्रेमिका, फिर मंदिर में कराई गई दोनों की शादी

आर्यावर्त संवाददाता

बदायूं। बदायूं के थाना बिनावर क्षेत्र में प्रेम प्रसंग ने उस समय नया मोड़ ले लिया, जब प्रेमिका ने प्रेमी का रिश्ता तुड़वाकर उसी के साथ मंदिर में विवाह रचा लिया। जानकारी के अनुसार, थाना बिनावर क्षेत्र के एक गांव निवासी युवक का लगभग चार वर्ष पूर्व जिला रामपुर की एक युवती से कॉलेज के दौरान प्रेम प्रसंग शुरू हुआ था। दोनों पिछले चार वर्ष से रिलेशनशिप में थे। घंटों फोन पर बातचीत करते रहते थे। परिजनों को इस रिश्ते की जानकारी होने के बावजूद युवक के परिवार ने उसका रिश्ता थाना गुजरिया क्षेत्र के एक गांव निवासी युवती से तय कर दिया।

ग्रामीणों के मुताबिक, बीते दिनों युवक की गोद भराई (सगाई) की रस्म भी संपन्न हो चुकी थी और शादी की तैयारियां चल रही थीं। इसी बीच किसी तरह प्रेमिका को प्रेमी की शादी की जानकारी मिल गई। इसके बाद युवती शनिवार देर रात सीधे थाना

बिनावर पहुंच गई और पूरे मामले की शिकायत पुलिस से की। मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने तत्काल जांच शुरू की। जांच में प्रेम संबंध की बात सही पाई गई, जिसके बाद पुलिस ने युवती से आवश्यक कार्रवाई के बारे में बात की।

युवक के परिजनों ने मांगी माफी

इस दौरान प्रेमी पक्ष के लोग थाने पहुंच गए और युवती से माफी मांगते हुए कार्रवाई न करने की गुजारिश करने लगे। साथ ही उन्होंने अपने बेटे की शादी उसी युवती से कराने की बात भी स्वीकार कर ली। इसके बाद दोनों पक्षों के बीच सहमति बनने पर मामला शांत हो गया और सभी लोग थाने से लौट गए। बाद में बदायूं के एक मंदिर में विधि-विधान के साथ युवक और युवती का विवाह संपन्न कराया गया। पुलिस का कहना है कि मामला आपसी सहमति से सुलझ गया है और अब कोई विवाद शेष नहीं है।

शहीदी दिवस के अवसर पर प्रभात फेरी व माल्यार्पण कर विचार गोष्ठी आयोजित

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। शहीदी दिवस के अवसर पर शहीद-ए-आजम भगत सिंह सुखदेव व राजगुरु के बलिदान दिवस की याद में आजाद समाज सेवा समिति द्वारा संस्था अध्यक्ष अशोक सिंह के नेतृत्व में नगर में प्रभात फेरी निकाल कर समस्त शहीदों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर जिला परिषद स्थित शहीद - ए- आजम भगत सिंह सुखदेव व राजगुरु कि प्रतिमाओं के समक्ष विचार गोष्ठी आयोजित की गयी । गोष्ठी में विचार व्यक्त करते हुये संस्था के कार्यकारी अध्यक्ष शराफत खान ने कहा कि शहीद-ए-आजम व्यक्ति नही एक विचार हैं राष्ट्र को उनके बलिदान से प्रेरणा मिलती रहेगी । वरिष्ठ उपाध्यक्ष ओमप्रकाश गौड़ ने कहा कि शहीद-ए-आजम क्रांतिकारी होने के साथ ही एक विचारक व लेखक भी थे तथा राष्ट्र हित के समक्ष कभी भी अपने व परिवार के सुखों को महत्व नही दिया । उपाध्यक्ष विजय यादव ने कहा कि शहीद-ए-आजम के विचारों को धारण कर देश में एकता स्थापित होगी तथा आपस में बढ़ते मतभेद समाप्त होंगे , सरदार जेपी सिंह ने कहा कि असेंबली बम धमाका खाली अंग्रेजो के ही बहरे कानों हेतु नही वरन देश वासियों को भी जगाने हेतु था। गिरीश तिवारी ने युवाओं से अपना थोड़ा समय शहीदों के जीवन के विषय जानने हेतु लगाने का आहवान किया ताकि आज युवाओं को स्मरण रहे कि शहीदों ने देशहित हेतु कितना कष्ट सहा साथ ही उन्होंने देश कि सम्प्रभुता कि हर कीमत पर रक्षा पर बल दिया । गोष्ठी मे मो० अहमद, रविंद्र तिवारी, मकसूद अंसारी, दिलीप सिंह, वृजेश यादव मसूद अहमद (बीडीसी) शैलेश वर्मा ने भी अपने विचार व्यक्त किये।

वंदे मातरम की शान में, विश्व हिंदू महासंघ मैदान में

सुल्तानपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा व विश्व हिंदू महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष भिखारी प्रजापति के निर्देश पर वंदे मातरम गीत की 151 वर्षगांठ व 23 मार्च को शहीद भगत सिंह, शहीद सुखदेव व शहीद राजगुरु के 95 वीं शहादत दिवस पर विश्व हिंदू महासंघ की सुल्तानपुर इकाई ने मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार को संबोधित एक ज्ञापन जिलाध्यक्ष डॉ कुंवर दिनकर प्रताप सिंह के नेतृत्व में अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद को सौंपा। जिसमें यह मांग की गई कि जिलाधिकारी कार्यालय के सामने तिकोनिया पार्क के निकट के चौराहे को वंदे मातरम चौक घोषित किया जाए जिससे आने वाली पीढ़ी को वंदे मातरम गीत से परिचित कराया जा सके और शहीदों के प्रति उनके मन में श्रद्धा भाव उत्पन्न हो सके। न.पा.प. द्वारा उक्त चौराहे को वंदे मातरम चौक घोषित होने के बाद जिला इकाई अपने जिले के शहीदों के चित्र, तिरंगा ध्वज, यातायात संकेतक भारत माता के चित्र तथा वंदे मातरम गीत की पट्टीका से उसे सजाने का पूरा प्रयास करेगा।

एआई बताएगा कब होगा जन्म? : गर्भावस्था की सही उम्र तय करने में मदद, खतरे की भी पहचान, भारत ने बनाया देसी मॉडल

आर्यावर्त संवाददाता

अलीगढ़। गर्भ में पल रहे शिशु का जन्म कब होगा, इसका अंदाजा अब सिर्फ अनुमान या विदेशी फॉर्मूलों पर निर्भर नहीं रहेगा। भारत ने पहली बार अपने डाटा पर आधारित ऐसा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) मॉडल तैयार किया है, जो गर्भावस्था की सही उम्र का ज्यादा सटीक आकलन कर सकता है और समय से पहले जन्म (प्री-टर्म) के खतरे की पहचान भी कर सकता है।

अब तक देश में गर्भावस्था की अवधि तय करने के लिए मुख्य रूप से विदेशी मॉडल जैसे हेडलॉक और इंटरग्रोथ का इस्तेमाल होता रहा है, जो पश्चिमी आबादी के डाटा पर आधारित हैं। लेकिन भारतीय महिलाओं की शारीरिक, पोषण और सामाजिक परिस्थितियां अलग होने के कारण इन मॉडलों की सटीकता पर लगातार सवाल उठते रहे हैं। इसी कमी को दूर करने के लिए केंद्र सरकार ने 'गर्भ-इनि' कार्यक्रम तैयार किया है, जिसे सोमवार को नई दिल्ली के इंडिया हैबिटेट सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में जैव प्रौद्योगिकी विभाग की ओर से लॉन्च किया जाएगा।

इसके तहत देश में पहली बार बड़े स्तर पर गर्भवती महिलाओं का डाटा इकट्ठा कर देसी मॉडल तैयार किया गया है। इस अध्ययन में 12 हजार से अधिक महिलाओं को शामिल किया गया, जिनमें से करीब 11 हजार के परिणाम दर्ज किए गए हैं।

डॉक्टर तक नहीं पहुंच पातीं कई महिलाएं

जैव प्रौद्योगिकी विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, यह मॉडल खास तौर पर उन महिलाओं के लिए उपयोगी होगा, जो गर्भावस्था के शुरुआती महीनों में डॉक्टर के पास नहीं पहुंच पातीं या जिन्हें अपनी आखिरी माहवारी (एलएमपी) की सही जानकारी नहीं होती। ऐसे मामलों में गर्भ की सही उम्र का अनुमान लगाना मुश्किल हो जाता है, जिससे इलाज और देखभाल प्रभावित होती है। उन्होंने बताया कि भविष्य में इस तरह के एआई टूल्स को स्वास्थ्य सेवाओं में शामिल किया जाएगा, ताकि गर्भवती महिलाओं की निगरानी और फॉलोअप बेहतर हो सके।

हर चौथे नवजात की मौत का कारण प्री-टर्म डिलीवरी

अलीगढ़ स्थित जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज (जेएनएमसी) के अध्ययन के मुताबिक, पश्चिमी यूपी सहित देश में नवजात मौतों का सबसे बड़ा कारण अब समय से पहले जन्म (प्री-टर्म बर्थ) बन चुका है। भारत में हर चार में से एक नवजात की मौत प्री-टर्म जन्म से जुड़ी जटिलताओं के कारण होती है। अलीगढ़ में जन्मे 264 शिशुओं पर किए गए अध्ययन में 29% बच्चे समय से पहले (34 सप्ताह से कम) और 71% सामान्य अवधि के बाद जन्मे पाए गए। शोधकर्ताओं का कहना है कि टीबी, निमोनिया या कुपोषण जैसे मुद्दों पर लगातार चर्चा होती है, लेकिन प्री-टर्म बर्थ अब भी स्वास्थ्य नीति और जनजागरूकता के केंद्र में नहीं आ पाया है।

कैबिनेट के अहम फैसले: औद्योगिक निवेश, ऊर्जा, सड़क, शहरी विकास और किसानों के हित में कई बड़ी परियोजनाओं को मंजूरी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। प्रदेश की मंत्रिपरिषद ने राज्य में औद्योगिक निवेश को बढ़ावा देने, आधारभूत संरचना को सुदृढ़ बनाने, ऊर्जा उत्पादन बढ़ाने, शहरी विकास को गति देने तथा किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुए अनेक महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मंजूरी प्रदान की है। इन निर्णयों से प्रदेश में निवेश के नए अवसर सृजित होने, रोजगार के साधनों में वृद्धि होने तथा नागरिक सुविधाओं के विस्तार को नई दिशा मिलने की उम्मीद जताई गई है।मंत्रिपरिषद ने प्रदेश में आधुनिक औद्योगिक ढांचा विकसित करने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश निजी बिज़नेस पार्क विकास योजना-2025 को स्वीकृति प्रदान की है। इस योजना के अंतर्गत प्रदेश में प्लग-एंड-प्ले सुविधाओं से युक्त अत्याधुनिक बिज़नेस पार्क विकसित किए जाएंगे, जहां वैश्विक कंपनियों के कार्यालय, अनुसंधान एवं विकास केंद्र तथा वैश्विक क्षमता केंद्र स्थापित किए जा सकेंगे। इस योजना से प्रदेश में औद्योगिक निवेश को बढ़ावा मिलेगा तथा सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों के विकास को नई गति प्राप्त होगी।इसी क्रम में अटल इंडस्ट्रियल इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन के अंतर्गत गंगा एक्सप्रेसवे के समीप जनपद सम्भल में इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग एवं लॉजिस्टिक्स क्लस्टर के विकास कार्यों को भी मंजूरी दी गई है। इस परियोजना के लिए 24542.56 लाख रुपये की धनराशि स्वीकृत की गई है, जिसके माध्यम से सड़क, जलापूर्ति, विद्युत आपूर्ति तथा अन्य आवश्यक आधारभूत सुविधाओं का निर्माण किया जाएगा। इससे औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलने के साथ-साथ स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर उपलब्ध होंगे।राजधानी लखनऊ में वृन्दावन योजना सेक्टर-15 में प्रस्तावित इंटरनेशनल एग्जीबिशन-सह-कन्वेंशन सेंटर की पुनरीक्षित लागत 1435.25 करोड़ रुपये को भी मंत्रिपरिषद ने स्वीकृति प्रदान की है। इस कन्वेंशन सेंटर में लगभग 10 हजार व्यक्तियों की क्षमता का कन्वेंशन हॉल तथा 2500 व्यक्तियों की क्षमता का आधुनिक ऑडिटोरियम विकसित किया जाएगा। इसके निर्माण से राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के आयोजन लखनऊ में संभव हो सकेंगे, जिससे पर्यटन और व्यावसायिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा।प्रदेश की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण और पर्यटन को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से लखनऊ स्थित ऐतिहासिक भवन रोशन-उद-दौला तथा छतर मंजिल को सार्वजनिक-निजी सहभागिता मॉडल के माध्यम से हेरिटेज पर्यटन इकाइयों के रूप में विकसित किए जाने का निर्णय लिया गया है। इन भवनों की भूमि पर्यटन विभाग को हस्तांतरित किए जाने से इन स्थलों का संरक्षण और उपयोग बेहतर ढंग से किया जा सकेगा।कृषि क्षेत्र में किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुए रबी विपणन वर्ष 2026-27 के लिए गेहूं खरीद नीति को भी मंजूरी प्रदान की गई है। इसके अंतर्गत 2585 रुपये प्रति क्विंटल के न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गेहूं की खरीद 25 मार्च 2026 से 15 जून 2026 तक की जाएगी। किसानों को गेहूं खरीद का भुगतान अधिकतम 48 घंटे के भीतर सीधे उनके बैंक खातों में किए जाने की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है, जिससे किसानों को समय पर भुगतान प्राप्त हो सके।ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए नेयवेली उत्तर प्रदेश पावर लिमिटेड को आवंटित पछवारा साउथ कोल ब्लॉक के विकास के लिए 2242.90 करोड़ रुपये की लागत को मंजूरी दी गई है। इस परियोजना से प्रदेश में सस्ती और निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित होने की संभावना है, जिससे औद्योगिक और घरेलू उपभोक्ताओं को लाभ मिलेगा।हरित ऊर्जा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से गोरखपुर को सोलर सिटी के रूप में विकसित करने के लिए चिलुआताल में 20 मेगावाट क्षमता का फ्लोटिंग सोलर पावर प्लांट स्थापित करने का निर्णय भी लिया गया है। इस परियोजना से प्रतिवर्ष लगभग 33.29 मिलियन यूनिट स्वच्छ ऊर्जा का उत्पादन होने की संभावना है, जिससे पर्यावरण संरक्षण के साथ ऊर्जा उत्पादन में वृद्धि होगी।जल संरक्षण और संसाधनों के बेहतर उपयोग को ध्यान में रखते हुए उत्तर प्रदेश सेफ रि-यूज ट्रीटेड वाटर नीति-2026 को लागू करने का निर्णय लिया गया है। इस नीति के माध्यम से शोधित जल का पुनः उपयोग सुनिश्चित किया जाएगा, जिससे भूजल पर निर्भरता कम होगी और जल संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा।परिवहन एवं आधारभूत संरचना को मजबूत करने के लिए भी कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। इनमें लखनऊ-हरदोई मार्ग पर दुबग्गा चौराहे पर लगभग 1811.72 मीटर लंबे फ्लाईओवर का निर्माण, सिद्धार्थनगर में बर्डपुर-पिपरहवा मार्ग का चार लेन में चौड़ीकरण, बलरामपुर में रेलवे उपरिगामी सेतु का निर्माण तथा लखीमपुर खीरी में शारदा नदी पर सेतु निर्माण जैसी परियोजनाएं शामिल हैं। इन परियोजनाओं से यातायात सुगम होगा तथा क्षेत्रीय विकास को गति मिलेगी।शहरी विकास को नई दिशा देने के उद्देश्य से नवयुग पालिका योजना को भी मंजूरी दी गई है। इस योजना के अंतर्गत प्रदेश के 58 जिला मुख्यालयों के नगरीय निकायों में आगामी पांच वर्षों के दौरान कुल 2916 करोड़ रुपये की लागत से विभिन्न विकास कार्य कराए जाएंगे।

मोबाइल लूट की घटना का खुलासा, पुलिस मुठभेड़ में घायल बदमाश गिरफ्तार

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। थाना आशियाना क्षेत्र में महिला से मोबाइल लूट की घटना का पुलिस ने खुलासा करते हुए मुठभेड़ के बाद एक शातिर बदमाश को गिरफ्तार किया है। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में बदमाश के पैर में गोली लगने से वह घायल हो गया, जिसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।पुलिस के अनुसार 21 मार्च 2026 को समय 17:44 बजे वादिनी प्रीति सिंह पत्नी देशराज सिंह निवासी भदुरुक, थाना आशियाना, लखनऊ द्वारा लिखित तहरीर दी गई। तहरीर में बताया गया कि 20 मार्च 2026 को शाम लगभग 7 से 8 बजे के बीच वह बंगला बाजार क्षेत्र स्थित एक कार शोरूम के सामने पैदल जा रही थीं और मोबाइल फोन पर बातचीत कर रही थीं। उसी दौरान पीछे से मोटरसाइकिल सवार एक अज्ञात व्यक्ति आया और उनका मोबाइल फोन छीनकर तेलीबाग चौराहे की ओर फरार हो गया।घटना के अनावरण के लिए पुलिस की दो टीमों का गठन किया गया। पुलिस टीमों ने आसपास के लगभग 40 से 50 सीसीटीवी कैमरों की जांच की, जिसके आधार पर अभियुक्त अर्जुन रावत उर्फ गंगाधर पुत्र मुन्नालाल रावत निवासी किला मोहम्मदीनगर, थाना आशियाना, लखनऊ उम्र करीब 25 वर्ष की पहचान हुई। अभियुक्त की गिरफ्तारी के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे थे।इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि घटना को अंजाम देने वाला अभियुक्त सवई की ओर से कालिन्दी की तरफ जा रहा है। सूचना पर पुलिस टीम ने सेक्टर-15 नहर रोड के पास घेराबंदी की। पुलिस को देखकर अभियुक्त भागने लगा और उसने पुलिस टीम पर तमंचे से फायर कर दिया। आत्मरक्षार्थ पुलिस टीम द्वारा भी जवाबी फायरिंग की गई।

जनता दर्शन में उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सुनीं सैकड़ों फरियादियों की समस्याएं, त्वरित निस्तारण के दिए निर्देश

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सोमवार को अपने कैम्प कार्यालय, 7-कालीदास मार्ग, लखनऊ में आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम में विभिन्न जनपदों से आए सैकड़ों फरियादियों की समस्याएं गंभीरता से सुनीं और उनके त्वरित, पारदर्शी एवं प्रभावी समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए।इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ने स्पष्ट रूप से कहा कि हर व्यक्ति की हर समस्या का हर संभव समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनसुनवाई में प्राप्त प्रत्येक शिकायत का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण किया जाए तथा ऐसा समाधान हो कि पीड़ितों को बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें।जनता दर्शन के दौरान उप मुख्यमंत्री स्वयं फरियादियों के बीच पहुंचे और उनसे सीधा संवाद स्थापित करते हुए एक-एक समस्या को संवेदनशीलता और गंभीरता के साथ सुना। कई मामलों में उन्होंने तत्काल संबंधित अधिकारियों से दूरभाष पर वार्ता कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए, जिससे मौके पर ही कार्यवाही प्रारंभ हो सके।उन्होंने विशेष रूप से भूमि विवाद, अवैध कब्जा, उत्पीड़न, दुर्घटनाएं, विद्युत आपूर्ति, सड़क निर्माण, आवास आवंटन, शिक्षा एवं स्वास्थ्य से जुड़े मामलों को अत्यंत गंभीरता से लेते हुए कहा कि किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जहां आवश्यक हो, वहां कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।उप मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि प्रत्येक शिकायत के निस्तारण में स्पष्ट जवाबदेही तय की जाए और उसकी नियमित मॉनिटरिंग की जाए। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप पारदर्शी, समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित करना अधिकारियों की प्राथमिक जिम्मेदारी है।जनसुनवाई के दौरान महिलाओं, दिव्यांगजनों एवं बुजुर्गों की समस्याओं को विशेष प्राथमिकता दी गई। उनके प्रकरणों के त्वरित निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को विशेष रूप से निर्देशित किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए नागरिकों ने भूमि पर कब्जा दिलाने, अतिक्रमण हटाने, अभियुक्तों की गिरफ्तारी, सड़क एवं विद्युत समस्याओं सहित अन्य जनहित से जुड़े मुद्दे उठाए, जिन पर उप मुख्यमंत्री ने तत्परता दिखाते हुए शीघ्र कार्यवाही के निर्देश दिए।उप मुख्यमंत्री ने अंत में कहा कि सरकार आमजन की समस्याओं के समाधान के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और यह सुनिश्चित किया जाएगा कि प्रत्येक नागरिक को न्याय और सुविधा समय पर प्राप्त हो। उन्होंने अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि जनहित के मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही या उदासीनता पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी।जनता दर्शन कार्यक्रम के सफल आयोजन से आमजन में शासन-प्रशासन के प्रति विश्वास और अधिक सुदृढ़ होने की भावना परिलक्षित हुई।

संक्षेप

बलिदान दिवस पर मुख्यमंत्री ने भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को किया नमन

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बलिदान दिवस के अवसर पर महान क्रांतिकारी शहीद भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को नमन करते हुए उनके साहस, समर्पण और राष्ट्रप्रेम को देशवासियों के लिए प्रेरणादायक बताया।मुख्यमंत्री ने अपने सामाजिक माध्यम 'एक्स' पर जारी संदेश में कहा कि क्रांति की ज्योति प्रज्ज्वलित करने वाले अमर बलिदानी भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु का त्याग भारत के इतिहास का स्वर्णिम अध्याय है। उनका बलिदान देश की स्वतंत्रता के लिए दिए गए सर्वोच्च त्याग का प्रतीक है, जिसे देश सदैव स्मरण करता रहेगा।मुख्यमंत्री ने कहा कि इन वीर क्रांतिकारियों का साहस, समर्पण और राष्ट्रप्रेम की भावना आने वाली पीढ़ियों को सदैव 'राष्ट्र सर्वोपरि' की प्रेरणा देती रहेगी। उन्होंने बलिदान दिवस के अवसर पर वीर हुतात्माओं को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए देशवासियों से उनके आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने का आह्वान किया।

शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाने का आरोपी गिरफ्तार

लखनऊ। थाना हसनगंज पुलिस टीम ने शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाने, गाली-गलौज करने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में वांछित एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी करते हुए न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया है।पुलिस के अनुसार 13 मार्च 2026 को थाना हसनगंज में पीड़िता द्वारा तहरीर देकर शिकायत दर्ज कराई गई थी कि अभियुक्त ने उसे शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाए, साथ ही गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। इस संबंध में थाना हसनगंज पर मुकदमा संख्या 45/26 धारा 69/352/351(3) बीएनएस के तहत अभियुक्त शिवम अवस्थी पुत्र अवधेश अवस्थी निवासी प्रकाश नगर अर्जुनपुरवा, मिश्रा मेडिकल एजेंसी के पास, थाना कोतवाली नगर, जनपद लखीमपुर खीरी के विरुद्ध मामला पंजीकृत किया गया था।मामले को गंभीरता से लेते हुए थाना हसनगंज पुलिस द्वारा त्वरित कार्रवाई की गई। पुलिस टीम ने 23 मार्च 2026 को अभियुक्त शिवम अवस्थी, उम्र करीब 23 वर्ष, को उसके बताए गए पते से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने नियमानुसार विधिक कार्रवाई पूरी करते हुए अभियुक्त को न्यायालय के समक्ष पेश किया।पुलिस के अनुसार गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध उक्त मुकदमा थाना हसनगंज में दर्ज है और प्रकरण में आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।अभियुक्त की गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक चितवन कुमार, महिला उपनिरीक्षक निशा यादव, उपनिरीक्षक शिशिर कुमार सिंह तथा कांस्टेबल वेद प्रकाश उपाध्याय शामिल रहे।

न्यायालय के वारंट पर इटौंजा पुलिस ने एक वारंटी को किया गिरफ्तार

लखनऊ। थाना इटौंजा पुलिस टीम ने न्यायालय द्वारा जारी गिरफ्तारी वारंट के अनुपालन में एक वारंटी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी को उसके घर से हिरासत में लेकर अग्रिम विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।पुलिस के अनुसार माननीय न्यायालय अपर प्रधान न्यायाधीश द्वितीय, पारिवारिक न्यायालय बाराबंकी द्वारा वाद संख्या 306/2023 अंतर्गत धारा 144(3) बीएनएसएस से संबंधित गिरफ्तारी प्रपत्र जारी किया गया था। न्यायालय के आदेश का अनुपालन न करने के कारण वारंटी इक्तियाज अहमद पुत्र नियाज अहमद निवासी मोहल्ला कटरा वार्ड संख्या 02, नगर पंचायत महोना, थाना इटौंजा, लखनऊ उम्र करीब 48 वर्ष के विरुद्ध कार्रवाई की गई।इसी क्रम में थाना इटौंजा पुलिस टीम ने 23 मार्च 2026 को वारंटी इक्तियाज अहमद को उसके घर से गिरफ्तारी वारंट दिखाते हुए हिरासत में ले लिया। पुलिस द्वारा अभियुक्त के विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक अरविन्द कुमार तिवारी तथा कांस्टेबल सुभाष कुमार शामिल रहे।

एचआईवी/एड्स पर राज्य स्तरीय मीडिया कार्यशाला आयोजित, जागरूकता और संवेदनशील रिपोर्टिंग पर दिया गया जोर

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी द्वारा सोमवार को राज्य सूचना विभाग के सभागार, लखनऊ में एचआईवी/एड्स विषय पर राज्य स्तरीय मीडिया संवेदीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य एचआईवी/एड्स से संबंधित सही जानकारी का प्रसार करना, सामाजिक कलंक को कम करना तथा जनस्वास्थ्य कार्यक्रमों में मीडिया की सकारात्मक भूमिका को सुदृढ़ करना था।कार्यक्रम में संयुक्त निदेशक रमेश श्रीवास्तव, संयुक्त निदेशक डॉ. संजय सोलंकी सहित सूचना विभाग, स्वास्थ्य विभाग एवं उत्तर प्रदेश राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी के अधिकारियों ने मीडिया प्रतिनिधियों को संबोधित किया। संयुक्त निदेशक रमेश श्रीवास्तव ने कहा कि एचआईवी/एड्स के प्रति जागरूकता फैलाने में मीडिया की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। तथ्यात्मक और संवेदनशील रिपोर्टिंग के माध्यम से समाज में व्याप्त भ्रांतियों को दूर किया जा सकता है तथा लोगों को जांच और उपचार सेवाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया जा सकता है।कार्यशाला में प्रस्तुत जानकारी के अनुसार भारत में लगभग 25.44 लाख लोग एचआईवी के साथ जीवन जी रहे हैं, जिनमें लगभग 45 प्रतिशत महिलाएं तथा लगभग 2.75 प्रतिशत बच्चे शामिल हैं। देश में अधिकांश संक्रमण असुरक्षित यौन संबंध के माध्यम से होता है, जबकि कुछ राज्यों में संक्रमित सुई और सिरिंज के उपयोग से भी संक्रमण के मामले सामने आते हैं।उत्तर प्रदेश में वर्तमान में लगभग 1.38 लाख एचआईवी संक्रमित व्यक्ति एआरटी केन्द्रों पर निःशुल्क परामर्श, उपचार और दवा प्राप्त कर रहे हैं। संयुक्त निदेशक डॉ. संजय सोलंकी ने बताया कि एचआईवी संक्रमित गर्भवती महिला का समय पर उपचार करने से बच्चे को संक्रमण से बचाया जा सकता है, इसलिए सभी गर्भवती महिलाओं की प्रारंभिक जांच अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में लगभग 72 लाख गर्भवती महिलाओं की जांच का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसके सापेक्ष अब तक लगभग 62 लाख गर्भवती महिलाओं की जांच की जा चुकी है।विशेषज्ञों ने बताया कि राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम विश्व के सबसे बड़े एचआईवी नियंत्रण कार्यक्रमों में से एक है, जिसका लक्ष्य वर्ष 2030 तक एचआईवी संक्रमण और एड्स से होने वाली मृत्यु में 80 प्रतिशत तक कमी लाना तथा सभी जोखिमग्रस्त वर्गों को गुणवत्तापूर्ण जांच और उपचार सेवाएं उपलब्ध कराना है।उत्तर प्रदेश में एचआईवी की रोकथाम और नियंत्रण के लिए विभिन्न सेवाएं संचालित की जा रही हैं, जिनमें 399 एकीकृत परामर्श एवं जांच केन्द्र, 52 एआरटी केन्द्र एवं लिंक एआरटी सेवाएं, 115 यौन जनित संक्रमण एवं प्रजनन तंत्र संक्रमण चिकित्सालय, 102 लक्षित हस्तक्षेप परियोजनाएं, 373 रेड रिबन क्लब तथा सहायता दूरभाष सेवा 1097 शामिल हैं, जहां निःशुल्क जांच, परामर्श और उपचार की सुविधा उपलब्ध है।कार्यक्रम के दौरान एचआईवी एवं एड्स (रोकथाम एवं नियंत्रण) अधिनियम, 2017 के प्रावधानों की भी जानकारी दी गई, जिसमें एचआईवी संक्रमित व्यक्तियों के अधिकारों की सुरक्षा, गोपनीयता बनाए रखने तथा भेदभाव रोकने के प्रावधान शामिल हैं। कार्यक्रम में उपस्थित मीडिया प्रतिनिधियों ने जनहित में सही और सकारात्मक जानकारी प्रसारित करने का आश्वासन दिया।

नगर निगम मुख्यालय में 10 नामित पार्षदों ने ली शपथ, महापौर ने दिलाई पद एवं गोपनीयता की शपथ

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। नगर निगम मुख्यालय में सोमवार को शासन द्वारा नामित 10 पार्षदों का शपथ ग्रहण समारोह गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में महापौर सुषमा खर्कवाल ने सभी नवनियुक्त पार्षदों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस अवसर पर नगर निगम परिसर में उत्साहपूर्ण माहौल देखने को मिला शपथ ग्रहण के उपरांत महापौर सुषमा खर्कवाल ने नगर आयुक्त गौरव कुमार के साथ सभी पार्षदों को माला पहनाकर उनका स्वागत किया और लड्डू खिलाकर बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।महापौर द्वारा गणेश वर्मा, दीप जायसवाल, रूपचंद अग्रवाल, पंकज बोस, किशन पाल, संतोष सिंह बलखंडी, नेहा सिंह, अखिलेश गिरी, मधुबाला त्रिपाठी एवं पुरुषोत्तम पुरी को शपथ दिलाई गई। सभी पार्षदों ने शपथ ग्रहण के बाद एक-दूसरे को बधाई दी और नई जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा एवं समर्पण के साथ निभाने का संकल्प व्यक्त किया कार्यक्रम के दौरान नवनियुक्त पार्षदों को प्रमाण पत्र भी प्रदान किए गए। इस मौके पर महापौर ने सभी पार्षदों को जनसेवा के प्रति समर्पित रहने और नगर के विकास में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि नगर निगम का उद्देश्य नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना और शहर को स्वच्छ, सुंदर एवं सुव्यवस्थित बनाना है, जिसमें पार्षदों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है अपने संबोधन में महापौर ने कहा कि सभी नवनियुक्त पार्षद जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरते हुए विकास कार्यों को गति देंगे और नगर निगम की योजनाओं को प्रभावी ढंग से धरातल पर लागू करेंगे।

बड़ा शिवाला श्री सिद्धनाथ मंदिर का हो रहा कायाकल्प, पर्यटन और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मिलेगी नई गति

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश सरकार धार्मिक आस्था से जुड़े स्थलों के विकास के साथ-साथ अल्पज्ञात पौराणिक धरोहरों को पर्यटन और स्थानीय अर्थव्यवस्था से जोड़ने की दिशा में तेजी से कार्य कर रही है। इसी क्रम में उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा राजधानी के सदर क्षेत्र स्थित राज्य संरक्षित स्मारक बड़ा शिवाला श्री सिद्धनाथ मंदिर का कायाकल्प कराया जा रहा है, जो अब अंतिम चरण में पहुंच चुका है। करीब एक करोड़ रुपये से अधिक लागत वाली इस परियोजना का लगभग 75 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है।लखौरी ईंटों, सुर्खी और चूने से निर्मित यह मंदिर अपनी विशिष्ट स्थापत्य शैली के लिए प्रसिद्ध है। अष्टभुजाकार मंडप पर स्थित इस मंदिर में स्वयंभू शिवलिंग के रूप में विराजमान बाबा सिद्धनाथ श्रद्धालुओं की गहरी आस्था का केंद्र हैं। मंदिर परिसर में यात्री हॉल और यात्री निवास का निर्माण पूरा कर लिया गया है, जिससे श्रद्धालुओं को ठहरने और धार्मिक आयोजनों के लिए बेहतर सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। इसके अतिरिक्त मंदिर तक पहुंचने वाले मार्ग पर इंटरलॉकिंग कार्य कराया गया है, जिससे आवागमन सुगम हुआ है। पुरुष एवं महिलाओं के लिए अलग-अलग शौचालयों का निर्माण भी लगभग पूर्ण हो चुका है।पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार आस्था से अर्थव्यवस्था के मॉडल पर अल्पज्ञात पौराणिक स्थलों को विकसित कर उन्हें पर्यटन मानचित्र पर स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि ऐसे स्थलों का विकास न केवल श्रद्धालुओं की आस्था को सशक्त करता है, बल्कि स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन, छोटे व्यवसायों को बढ़ावा और क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को मजबूती देने का भी माध्यम बनता है।उन्होंने कहा कि बड़ा शिवाला श्री सिद्धनाथ मंदिर का विकास 'आस्था से अर्थ' की इसी सोच का हिस्सा है। कार्य पूर्ण होने के बाद यह स्थल श्रद्धालुओं के साथ-साथ पर्यटकों के लिए भी आकर्षण का केंद्र बनेगा, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को नई गति मिलेगी। मंदिर परिसर के समग्र सौंदर्यीकरण के अंतर्गत आकर्षक प्रकाश व्यवस्था स्थापित की जा रही है, जिससे रात्रि के समय मंदिर की भव्यता और अधिक निखरेगी। परिसर में हरित क्षेत्र विकसित करने के लिए पौधरोपण और भू-सौंदर्यीकरण का कार्य भी कराया जाएगा। श्रद्धालुओं के बैठने के लिए बेंच, साफ-सफाई के लिए बेहतर प्रबंधन, पेयजल व्यवस्था तथा सूचना पट्ट लगाए जा रहे हैं। इसके साथ ही परिसर को व्यवस्थित रूप देने के लिए सौंदर्यपरक दीवारों और भव्य प्रवेश द्वार का निर्माण भी कराया जा रहा है।

तकनीकी कौशल से ही युवाओं का उज्ज्वल भविष्य संभव- योगेंद्र उपाध्याय

लखनऊ। प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ में आयोजित 'सैमसंग इनोवेशन परिसर-2026' के प्रमाणपत्र वितरण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग करते हुए 400 से अधिक विद्यार्थियों को प्रमाणपत्र प्रदान किए और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।इस अवसर पर मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने अपने संबोधन में कहा कि आज का युग तकनीक आधारित है, जिसमें युवाओं को पारंपरिक शिक्षा के साथ-साथ कृत्रिम बुद्धिमत्ता, विशाल आंकड़ा विश्लेषण तथा वस्तुओं के अंतरजाल जैसे आधुनिक कौशलों में दक्ष होना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के युवा तेजी से इन उन्नत तकनीकों को अपनाकर देश और दुनिया में अपनी अलग पहचान बना रहे हैं। मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने कहा कि शिक्षा केवल ज्ञान अर्जन का माध्यम नहीं है, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण और राष्ट्र निर्माण का सशक्त आधार भी है।

चैत्र नवरात्रि पर महापौर सुषमा खर्कवाल ने मंदिरों में की पूजा, स्वच्छता व्यवस्था का किया निरीक्षण

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर सोमवार को लखनऊ की महापौर सुषमा खर्कवाल ने चौक क्षेत्र स्थित प्राचीन बड़ी कालीजी मंदिर, छोटी कालीजी मंदिर एवं द्वारकाधीश मंदिर पहुंचकर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। नवरात्रि के पांचवें दिन उन्होंने मां भगवती के श्रीचरणों में श्रद्धा अर्पित करते हुए समस्त नगरवासियों के सुख, समृद्धि, स्वास्थ्य और कल्याण की कामना की।महापौर ने बड़ी कालीजी मंदिर में दर्शन-पूजन के उपरांत द्वारकाधीश मंदिर में भी पहुंचकर भगवान के श्रीचरणों में नमन किया और भगवान शिव की आराधना करते हुए शहरवासियों के मंगलमय जीवन की प्रार्थना की। इस दौरान स्थानीय पार्षद अनुराग मिश्रा 'अन्नू', व्यापार मंडल के वरिष्ठ उपाध्यक्ष उत्तम कपूर, क्षेत्र संख्या-6 के क्षेत्रीय अधिकारी अमरजीत यादव, अधिशासी अभियंता अशोक यादव और क्षेत्रीय स्वच्छता अधिकारी राजेश सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।दर्शन-पूजन के उपरांत महापौर ने बड़ी कालीजी मंदिर मार्ग और आसपास के क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण भी किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्वच्छता व्यवस्था को और बेहतर बनाने के निर्देश दिए। महापौर ने क्षेत्रीय स्वच्छता अधिकारी को विशेष साफ-सफाई अभियान चलाने के लिए कहा, ताकि मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। साथ ही उन्होंने मंदिर परिसर के पास स्थित सार्वजनिक शौचालय का निरीक्षण कर उसकी साफ-सफाई और व्यवस्थाओं को दुरुस्त रखने के निर्देश दिए।इसके बाद महापौर ने क्षेत्रीय निरीक्षण के क्रम में चौक स्थित सिरकटा नाले का भी जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को नाले की नियमित और प्रभावी सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, जिससे जल निकासी व्यवस्था सुचारु बनी रहे और क्षेत्र में गंदगी अथवा जलभराव की समस्या उत्पन्न न हो।महापौर सुषमा खर्कवाल ने कहा कि लखनऊ को स्वच्छ, सुरक्षित और सुव्यवस्थित शहर बनाना उनका संकल्प है और इसके लिए नगर निगम लगातार प्रयास कर रहा है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शहर के सभी क्षेत्रों में नियमित निगरानी रखी जाए और कहीं भी लापरवाही न बरती जाए।

जंग के बीच भारत की सफल कूटनीति से एलपीजी लेकर सुरक्षित भारत पहुंचे जहाज

इसे भारत की सफल कूटनीति की जीत तो कहा ही जायेगा इसके साथ-साथ भारत ने अपनी अदम्य सहास का परिचय भी दे दिया है। यानी देशवासी अब चिंता न करें । एलपीजी की समस्या जल्द सामान्य हो जायेगी। क्योंकि जैसे युद्व के बीच दो जहाज का भारत एलपीजी लेकर आना भारत की सफलता मानी जायेगी। भारत शुरु से ही शांतिप्रिय देश है और हमेश से शांति में ही रहने से अपील करता आया है। ऐसे में मिडिल ईस्ट में जारी जंग के बाद एलपीजी गैस की सप्लाई प्रभावित हुई इसमें कहने से गुरेज नहीं करना चाहिए क्योंकि एलपीजी का अधिक समय तक स्टोरेज नहीं कर सकते? ऐसे समय में जब भारत देश में गैस एजेंसी के बाहर लम्बी लम्बी लाइनें लग रही है जो कि अब स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से भारत में एलपीजी की आपूर्ति होना शुरू होने के बाद इस समस्या के अंत के अच्छे संकेत हैं। यह जीत किसी एक व्यक्ति की नहीं अपितु यह हमारे भारत देश की सफल राजनीति, कूटनीतिज्ञ, दूरदर्शिता की महाजीत है।

मध्य-पूर्व में बढ़ते तनाव और ईरान से जुड़े युद्ध जैसे हालात के बीच भारत ने जिस तरह अपनी ऊर्जा आपूर्ति को सुरक्षित रखते हुए एलपीजी की आपूर्ति सुनिश्चित की है, वह उसकी परिपक्व और संतुलित कूटनीति का स्पष्ट उदाहरण है। वैश्विक संकट के दौर में ऊर्जा सुरक्षा किसी भी देश की आर्थिक स्थिरता की रीढ़ होती है, और भारत ने इस चुनौती को अवसर में बदलने का काम किया है। भारत लंबे समय से ऊर्जा आयात पर निर्भर रहा है, विशेषकर पश्चिम एशिया के देशों पर। ऐसे में जब ईरान के आसपास भू-राजनीतिक तनाव बढ़ा और सप्लाई चेन बाधित होने की आशंका बनी, तब भारत के सामने दोहरी चुनौती थी—एक ओर ऊर्जा जरूरतों को पूरा करना और दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय दबावों के बीच संतुलन बनाए रखना। भारत की कूटनीतिक रणनीति यहां बहु-आयामी रही। एक तरफ उसने अमेरिका और पश्चिमी देशों के साथ अपने संबंधों को संतुलित रखा, वहीं दूसरी ओर ईरान जैसे महत्वपूर्ण ऊर्जा साझेदार के साथ संवाद के दरवाजे खुले रखे। परिणामस्वरूप, भारत ने केवल वैकल्पिक स्रोतों से रुक्कत्र की आपूर्ति सुनिश्चित करने में सफल रहा, बल्कि आवश्यक मात्रा में ईंधन की उपलब्धता भी बनाए रखी। इस पूरी प्रक्रिया में भारत ने रणनीतिक स्वायत्तता की नीति को मजबूती से अपनाया। भारत ने किसी एक धड़े में पूरी तरह झुकने के बजाय अपने राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता दी। यही कारण है कि संकट के बावजूद घरेलू बाजार में कच्चे तेल की उपलब्धता पर कोई बड़ा असर नहीं पड़ा और कीमतों में भी अपेक्षाकृत स्थिरता बनी रही।

इसके अलावा, भारत ने सऊदी अरब, यूएई और अन्य ऊर्जा उत्पादक देशों के साथ अपने रिश्तों को और मजबूत किया, जिससे सप्लाई के वैकल्पिक रास्ते खुले। यह कदम दर्शाता है कि भारत केवल प्रतिक्रियात्मक नहीं, बल्कि दूरदर्शी कूटनीति पर काम कर रहा है। हालांकि, यह भी सच है कि ऐसे संकट भारत के लिए चेतावनी भी हैं। ऊर्जा के लिए बाहरी निर्भरता को कम करने, नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में निवेश बढ़ाने और घरेलू उत्पादन को मजबूत करने की जरूरत पहले से अधिक महसूस की जा रही है।

ईरान युद्ध के बीच कच्चे तेल की निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित करना केवल एक प्रशासनिक उपलब्धि नहीं, बल्कि भारत की संतुलित, व्यावहारिक और प्रभावी कूटनीति की बड़ी जीत है। यह संदेश भी देता है कि बदलते वैश्विक समीकरणों के बीच भारत अपने हितों की रक्षा करना अच्छी तरह जानता है।

देश को टीबी मुक्त बनाने को जनसहभागिता बहुत जरूरी

मुकेश कुमार शर्मा

टीबी की शीघ्र जाँच के लिए अत्याधुनिक उपकरण मुहैया कराये गए हैं, जिससे कुछ ही घंटों में रिपोर्ट मिल रही है।

विश्व क्षयरोग दिवस (24 मार्च) पर विशेष

देश को क्षय रोग यानि ट्यूबरक्लोसिस (टीबी) मुक्त बनाने के लिए हर स्तर पर बड़े पैमाने पर कार्य किए जा रहे हैं। टीबी पूरी तरह से ठीक होने वाली बीमारी है, बस, इसके लिए जरूरी है कि टीबी की समय से पहचान के लिए लक्षण दिखने पर शीघ्र जांच कराई जाये, जाँच में पाजिटिव आने पर नियमित रूप से दवा का सेवन किया जाए, साथ में पोषण का पूरा ख्याल रखा जाए और इलाज का कोर्स पूरा होने पर एक बार फिर से जांच करायी जाए ताकि पता चल सके कि अब मरीज पूरी तरह टीबी मुक्त है।

टीबी की शीघ्र जाँच के लिए अत्याधुनिक उपकरण मुहैया कराये गए हैं, जिससे कुछ ही घंटों में रिपोर्ट मिल रही है। शोध को बढ़ावा दिया गया है, जिससे उच्च गुणवत्ता वाली दवाएं उपलब्ध करायी गयी हैं, जिससे लम्बे समय तक चलने वाले इलाज की समयावधि में कमी आई है। मरीजों का समय से इलाज के साथ पोषण का भी पूरा ख्याल रखा जा रहा है, इसके लिए इलाज के दौरान हर माह निर्धारित पोषण राशि सीधे मरीज के बैंक खाते में दी जा रही है। इसके बाद भी टीबी पर पूरी तरह विराम नहीं लग पाया है, जिससे निपटने के लिए जनसहभागिता की बड़ी जरूरत महसूस की जा रही है, ताकि लक्षण वाले व्यक्तियों को शीघ्र जांच और इलाज के लिए प्रेरित किया जा सके। समुदाय को इस बात का भी ख्याल रखना है कि किसी भी टीबी मरीज के साथ किसी प्रकार का भेदभाव न होने पाए ताकि लोग बिना संकोच के टीबी की जाँच को खुलकर अपने आप सामने आ सकें। टीबी के प्रति जागरूकता लाने और लक्षण दिखने पर समय से जांच और इलाज का कोर्स पूरा करने के प्रति लोगों को प्रेरित करने के लिए ही हर साल 24 मार्च को विश्व क्षय रोग दिवस मनाया जाता है। इस साल इस खास दिवस की थीम है- "हाँ! हम टीबी को ख़त्म कर सकते हैं, देशों के नेतृत्व में, लोगों की शक्ति से" (यस! वी कैन एंड टीबी, लेड बाय कंट्रीज, पावर्ड बाय प्यूपल) ।

आज की भाग दौड़ भरी जिन्दगी में लोगों के पास खाने-पीने और सोने तक का समय भी मुश्किल से मिल रहा है। शारीरिक श्रम की बात तो बहुत दूर की कौड़ी है। पोषक तत्वों से भरपूर भोजन न ग्रहण करके जंक फ़ूड पर निर्भर रहने वाला वर्ग इम्यूनिटी कमजोर पड़ने के कारण बीमारियों की गिरफ्त में आ रहा है। ज्ञात हो कि टीबी का बैक्टीरिया बहुत से लोगों में निष्क्रिय रूप से शरीर में विद्यमान रहता है लेकिन वह टीबी के रूप में तभी आक्रमण करता है जब शरीर की इम्यूनिटी कमजोर पड़ जाती है यानि रोग प्रतिरोधक क्षमता ख़त्म हो जाती है। नाखून और बालों को छोड़कर टीबी शरीर के किसी भी अंग में हो सकती है। फेफड़ों की टीबी सबसे आम है, केवल यही टीबी संक्रामक भी है। जागरूकता की कमी के कारण आज भी लोग खांसी और बुखार का इलाज तो महीनों कराते हैं किन्तु टीबी की जांच कराने से कतराते हैं जबकि समय से टीबी का पता चल जाए और पूरा इलाज किया जाए तो टीबी से सुरक्षित बना जा सकता है। एचआईवी, मधुमेह, जटिल श्वास रोग, शराब और तम्बाकू का उपयोग करने वालों में क्षय रोग होने की सम्भावना अधिक होती है, इसी के दृष्टिगत क्षय रोगियों की सह रुग्णता (एचआईवी, मधुमेह आदि) से संबंधित जांच अनिवार्य की गयी है।

टीबी दो प्रकार की होती है- साधारण टीबी एवं जटिल टीबी। साधारण टीबी जल्दी ठीक हो जाती है, जबकि जटिल टीबी का उपचार लम्बा चलता है। टीबी के इलाज में प्रयोग होने वाली कुछ दवाएं जब किसी मरीज पर बेअसर हो जाती हैं तो उसे एम.डी.आर. टीबी (मल्टी ड्रग रेसिस्टेंट) कहते हैं। इससे इतर जिन एम.डी.आर. मरीजों में कुछ अन्य दवाओं के लिए भी प्रतिरोध उत्पन्न हो जाता है उसे प्री.एक्स.डी.आर. टीबी कहते हैं। पिछले कुछ वर्षों में जटिल टीबी (एम.डी.आर. एवं एक्स.डी.आर. टीबी) के उपचार हेतु नई दवाओं के प्रयोग पर पूरी दुनिया में अनुसंधान चल रहे हैं। जाँच और इलाज को लेकर क्रांतिकारी परिवर्तन भी आये हैं ।

वजन का एकाएक कम होना, लगातार दो-तीन हफ्ते तक खांसी आना, कफ में कभी-कभी खून आना, बुखार आना और रात में बुखार बढ़ जाना, रात में पसीना आना, लगातार थकान और कमजोरी महसूस होना, सांस लेने में दिक्कत होना या सीने में दर्द होना आदि।

टीबी के लक्षण नजर आयें तो जल्द से जल्द जांच कराएँ, टीबी से संक्रमित व्यक्ति के निकट सम्पर्क में रहने से बचें, खांसते-छींकते समय रुमाल या टिश्यु पेपर का इस्तेमाल करें ताकि बैक्टीरिया का फैलाव न हो, भीड़भाड़ में मास्क का इस्तेमाल करें, बच्चों को बीसीजी का टीका जरूर लगवाएं, संतुलित और पोषक तत्वों से भरपूर भोजन नियमित रूप से करें, शारीरिक श्रम और व्यायाम को दिनचर्या में जरूर शामिल करें, भरपूर नींद लें।

(लेखक पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल इंडिया के एक्जेक्युटिव डायरेक्टर हैं)

टिप्पणी

रैप म्यूजिक से बनाई पहचान

पुराने दलों एवं नेताओं का मखौल उड़ाना और उन्हें देश की समस्याओं की जड़ बताना बालेंद्र शाह के रैप गानों का थीम रहा। इस तरह उन्होंने जन भावनाओं को आवाज दी। असर हुआ कि लोगों ने उनको ही समाधान मान लिया है।

नेपाल के चुनाव नतीजों से साफ है कि वहां के लोग पुरानी पार्टियों और नेताओं से कितने आजिज़ आ चुके थे। नेपाली कांग्रेस, कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (यूएमएल), और नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी को उन्होंने सिरे से ठुकरा दिया है। अब उन्होंने अपना दांव ऐसे नेता पर लगाया है, जिन्होंने अपनी पहचान रैप म्यूजिक से बनाई और उसी माध्यम से राजनीति में लोकप्रिय हुए। बालेंद्र शाह पहले अपने दम पर काठमांडू के मेयर बने और अब पिछले सितंबर की उथल-पुथल के बाद हुए चुनाव में लोगों की उम्मीद का सबसे बड़ा प्रतीक बन कर उभरे हैं। शाह के नेतृत्व में राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) नेपाल के हालिया इतिहास की सबसे बड़ी जीत हासिल करने में कामयाब हुई है। शाह ने चुनाव अभियान भी रैपर के बतौर चलाया।

पुराने दलों और नेताओं का मखौल उड़ाना और उन्हें देश की तमाम समस्याओं की जड़ बताना उनके रैप गानों का थीम रहा है। इस तरह उन्होंने लोगों के भावनाओं को आवाज दी। असर हुआ कि लोगों ने उनको ही समाधान मान लिया है। मगर चाहे राजनीतिक संस्कृति से जुड़ी समस्याएं हों या ठोस आर्थिक मसले- उनका समाधान रैप अथवा किसी संगीत से नहीं निकल सकता। इसके लिए ठोस कार्यक्रम एवं योजनाओं की जरूरत होगी। इस मामले में शाह के पास कोई सोच या नजरिया है, इसका कोई संकेत उन्होंने नहीं दिया है।

बल्कि वे एक ऐसी पार्टी के प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के बतौर जीते हैं, जिसके नेता पर भ्रष्टाचार के इतने गंभीर आरोप हैं कि जेन-जी विद्रोह के पहले तक वे जेल में थे। अपनी खराब छवि के कारण ही रवि लामिछाने ने शाह को पार्टी का चेहरा बनाया। ये दांव कामयाब रहा। लेकिन आगे का रास्ता कठिन है। आरएसपी की सरकार को मतदाताओं की ऊंची उम्मीदों पर खरा उतरना होगा। बेरोजगारी, युवाओं के सामने अवसरहीनता, गरीबी और आम विकास की कसौटियों पर पिछड़ापन वे समस्याएं हैं, जिनका समाधान नेपाली कांग्रेस और कम्युनिस्ट पार्टियां नहीं ढूंढ पाईं। इसके लिए प्रयासरत होने के बजाय उनके नेता आलीशान जिंदगी जुटाने में लग गए। क्या आरएसपी उससे अलग संस्कृति और समाधान दे पाएगी, यह अब मुख्य प्रश्न है।

ब्लॉग

क्या जदयू में निशांत कुमार की धमाकेदार सियासी एंट्री के राजनीतिक असर दूरगामी होंगे?

कमलेश पांडे

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के अविवाहित इंजीनियर पुत्र निशांत कुमार की धमाकेदार सियासी लॉन्चिंग से बिहार की राजनीति में दूरगामी असर पड़ना लाजिमी है। चूंकि वह अपने प्रगतिशील और यशस्वी पिता की प्रगतिशील समाजवादी सियासत को संभालेंगे, इसलिए कुछ बातें स्पष्ट हैं। वह यह कि अब तीन बड़े स्तरों पर इस पूरे घटनाक्रम का असर पड़ेगा– सत्ता संतुलन, जेडीयू की आंतरिक राजनीति और राज्य की व्यापक सियासी प्रतिस्पर्धा। इसके अलावा कुछ मौलिक सवाल भी उभरेंगे, जिनकी चर्चा पहले लाजिमी है। स्वाभाविक सवाल है कि क्या जदयू में निशांत कुमार की धमाकेदार सियासी एंट्री के राजनीतिक असर दूरगामी होंगे? हालांकि इसका जवाब गुजशते वक्त की कोख में पल रहा है, जो समय के साथ स्पष्ट होता जाएगा।

पहला यह कि उनके पिता नीतीश कुमार अब शारीरिक रूप से अस्वस्थ होकर 'विलासितापूर्ण' सदन राज्यसभा की ओर रुखसत हो चुके हैं, जबकि बिहार के पुनर्निर्माण के उनके सपने अभी भली भांति पूर्वक जवान भी नहीं हो पाए हैं। इसलिए उन्हें उचित नीतिगत पोषण प्रदान करते हुए जवान करने की जिम्मेदारी अब टीम निशांत कुमार की होगी।

कहना न होगा कि पहले 20 साल तक यानी 1985 से 2025 तक नीतीश कुमार ने व्यक्तिगत संघर्ष की राजनीति की और बाद के 20 वर्षों तक यानी 2005 से 2025 उन्होंने सत्ता संघर्ष की राजनीति की। इसी कशमकश में बिहार के पुनर्निर्माण के उनके सपने वैचारिक कुपोषण, प्रशासनिक धूर्तता के शिकार हो गए और पूरी तरह से जवान नहीं हो पाए।

दूसरा यह कि जनता दल यूनाइटेड की सहयोगी पार्टी भाजपा भले ही राष्ट्रीय समाजवादी राजनीति की तरह ही सुबाई समाजवादी राजनीति के प्रतिबिंब जदयू को पीछे धकेलते हुए आगे बढ़ चुकी है, लेकिन पुनः सियासी धोबिया पाट पर राजनीतिक चोट देते हुए जदयू को देश-प्रदेश में पुनः बड़े भाई का दर्जा दिलवाने के सारे दारोमदार अब निशांत कुमार के कंधे पर होंगे। संदेश स्पष्ट है कि बड़े सपने देखेंगे तो उड़ीसा के नवीन पटनायक की तरह सफलतापूर्वक भविष्य में राज करेंगे, अन्यथा चिराग पासवान की तरह बीजेपी के आगे सियासी दुम हिलाते नजर आएंगे। यदि ऐसा हुआ तो यही समझा जाएगा कि बिहार के चाणक्य नीतीश कुमार ने अपनी पुत्र को समुचित राजनीतिक शिक्षा दिए ही उनकी लॉन्चिंग करवा दी। कुछ ऐसे ही सवाल लोगों के जेहन में उठ भी रहे हैं।

तीसरा यह कि जेडीयू और उसके सत्ता समीकरण पर इसका सीधा असर पड़ेगा। क्योंकि नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने और संभावित नेतृत्व परिवर्तन के साथ निशांत को डिप्टी सीएम/मुख्य चेहरा बनाने की तैयारी है, जिससे जेडीयू में नेतृत्व का खालीपन भरने की कोशिश होगी। यह कदम बीजेपी–जेडीयू गठबंधन में निरंतरता का संदेश देगा कि नीतीश भले पटना से दिल्ली शिफ्ट हों, पर "उनका आदमी/परिवार" सत्ता में रहेगा, जिससे अचानक अस्थिरता की संभावना घटेगी। लेकिन इसके दूरगामी असर नकारात्मक भी हो सकते हैं।

चौथा यह कि जेडीयू की आंतरिक राजनीति भी इस घटनाक्रम से प्रभावित होगी। ऐसा इसलिए कि जेडीयू के कई एमएलए–एमपी ने खुले तौर पर मांग की कि निशांत ही पार्टी को "एकजुट रख सकते हैं", जो यह दिखाता है कि नेतृत्व संकट से बचने के लिए संगठन परिवारवाद को स्वीकार कर चुका है। इससे पुराने कद्दावर नेताओं के बीच पद–प्रतिष्ठा को लेकर खींचतान बढ़ सकती है क्योंकि अचानक एक नए, राजनीतिक रूप से अनुभवहीन चेहरे को शीर्ष पर लाना वरिष्ठों की महत्वाकांक्षाओं से टकराएगा।

पांचवां यह कि इस बड़े बदलाव से जदयू के वंशवाद बनाम सुशासन की छवि टकराएगी, क्योंकि नीतीश लंबे समय से वंशवाद के खिलाफ बोलते रहे हैं; और अब बेटे की लॉन्चिंग से उनकी राजनीतिक व वैचारिक साख और "सुशासन बाबू बनाम पारिवारिक राजनीति" वाली नैरेटिव पर विपक्ष को मजबूत हमला करने का मौका मिलेगा। वहीं, आरजेडी–कांग्रेस सहित विपक्ष इसे "डबल स्टैंडर्ड" कहकर भुनाएगा, जिससे सामाजिक न्याय बनाम परिवारवाद की पुरानी बहस फिर तेज होगी और यादव–गैर लवकुश ओबीसी–अल्पसंख्यक वोटों की समीकरण राजनीति और ज्यादा आक्रामक हो सकती है, जिसकी धार नीतीश कुमार और भाजपा मिलकर कुंद कर चुकी हैं।

छठा यह कि जदयू के इस घटनाक्रम का सुबाई युवा और सामाजिक आधार पर भी संभावित प्रभाव पड़ेगा। अब जदयू पार्टी के भीतर से यह तर्क दिया जा रहा है कि निशांत के आने से युवा वोटर और पढ़ा–लिखा मध्यवर्ग जुड़ सकता है, लेकिन यह तभी होगा जब वे जल्दी ज़मीनी राजनीति सीखकर स्वतंत्र छवि बना पाएं। अभी के लिए उनका पूरा राजनीतिक वैधता पूंजी "नीतीश के बेटे" होने से आती है; अगर प्रशासनिक या संगठनात्मक क्षमता जल्दी साबित न हुई तो वे सिर्फ प्रतीकात्मक वारिस बनकर रह सकते हैं, जिससे जेडीयू की गिरती सामाजिक पकड़ नहीं रुक पाएगी।

सातवां यह कि निशांत कुमार की लॉन्चिंग का बिहार की व्यापक सियासत में लंबी अवधि का असर पड़ेगा। निकट भविष्य में यह कदम बीजेपी–जेडीयू सरकार को स्थायित्व देगा, लेकिन मध्यम अवधि में यह तय करेगा कि नीतीश के बाद जेडीयू स्वतंत्र शक्ति बनी रहती है या भाजपा पर और अधिक निर्भर हो जाती है। ऐसा इसलिए कि यदि निशांत कुमार पार्टी के अंदर स्वीकार्यता बना लेते हैं और संगठन पर पकड़ मजबूत कर लेते हैं, तो वे आने वाले चुनावों में जेडीयू को "पोस्ट-नीतीश" दौर में भी प्रासंगिक रख सकते हैं; वहीं यदि असफल रहे तो बिहार की राजनीति और ज़्यादा द्विध्रुवीय (बीजेपी बनाम आरजेडी–कांग्रेस) हो सकती है और जेडीयू हाशिये पर जा सकता है।

आठवां यह कि निशांत की एंट्री ने नीतीश कुमार के सालों पुराने एंटी वंशवाद नैरेटिव को सीधे काट दिया और बिहार में लगभग सभी बड़े नेताओं के परिवारवाद को एक साथ एक्सपोज़ कर दिया। इससे यह साफ दिखने लगा कि 'वंशवाद विरोध' ज्यादातर नैतिकता नहीं, बल्कि अवसरवादी राजनीति की भाषा थी। इस मुद्दे पर नीतीश का यू टर्न और नैतिकता का संकट खड़ा हो गया है। नीतीश खुद को कर्पूरी ठाकुर की परंपरा का मानते रहे, जो बेटे को राजनीति से दूर रख कर वंशवाद के खिलाफ उदाहरण बताए जाते हैं।

नौवां यह कि, कई दशक तक वे लालू प्रसाद, कांग्रेस और अन्य दलों पर परिवारवाद का हमला बोलते रहे; और अब उसी मॉडल पर अपने बेटे निशांत को सीधे उत्तराधिकारी की तरह आगे कर रहे हैं। जिस तरह से राज्यसभा जाने और बेटे के लिए स्पेस बनाने के लिए उन्होंने राजनीतिक पटकथा लिखी है, उससे उनकी समाजवादी राजनीति पर भी सवाल उठना लाजिमी है। बताया जाता है कि विपक्ष (जैसे RJD) ने इसे तुरंत पकड़ लिया कि जिसने हमेशा नेपोटिज़्म को कोसा, वही अब "अपने उत्तराधिकारी को सेट" कर रहा है, यानी नैतिक ऊँचाई ढह गई।

दसवां यह कि बिहार की ओबीसी/दलित 'राजवंशी' राजनीति अब खुलकर सामने आ चुकी है। पहले से ही तेजस्वी यादव, चिराग पासवान, जीतन राम मांझी के बेटे संतोष सुमन, उपेंद्र कुशवाहा के बेटे दीपक आदि खुले तौर पर पिता की विरासत संभाल रहे थे। इसी कड़ी में नीतीश पुत्र निशांत की एंट्री के बाद तस्वीर और साफ हो गई कि लगभग हर प्रमुख सामाजिक राजनीतिक धड़े का नेतृत्व अब "पॉलिटिकल वंशजों" के हाथ में जा रहा है, यानी पूरा सत्ता-संतुलन परिवारों के इर्द गिर्द घूम रहा है।

ग्यारहवां यह कि प्रशांत किशोर व अन्य आलोचकों ने राजनीतिक पाखंड उजागर किया। प्रशांत किशोर ने सीधे सवाल उठाया कि जो नेता जीवन भर वंशवाद के विरोध का दावा करते रहे, वे आज अपने ही बेटे के लिए जगह बना रहे हैं; यानी 'सिद्धांत' दरअसल सत्ता और परिवार के हिसाब से बदलने वाली चीज़ है। वहीं, राजद नेताओं ने भी कहा कि नीतीश अब उसी रास्ते पर चल पड़े हैं, जिसको वे लालू परिवार की राजनीति में दोष बताते थे; इससे "हम अलग हैं" वाला दावा कमजोर हो गया।

बारहवां यह कि युवाओं के मुद्दों बनाम राजनीतिक वंश की कशमकश अब तेज होगी। क्योंकि निशांत की लॉन्चिंग बहस के साथ ही बेरोजगारी, पलायन और सुशासन बनाम परिवारवाद जैसे सवाल फिर उभरे हैं: क्या नई पीढ़ी के लिए नेतृत्व का मतलब सिर्फ नेताओं के बच्चे होंगे या आम कार्यकर्ता/युवा भी ऊपर आएंगे? वहीं जदयू और सहयोगी इसे "नई पीढ़ी का नेतृत्व" कह कर बचाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन यह तर्क भी उसी समय कमजोर पड़ जाता है जब टिकट, पद और कुर्सी लगभग पूरी तरह परिवारों में सिमटते दिखते हैं।

स्वाभाविक सवाल है कि क्या जदयू में निशांत कुमार की धमाकेदार सियासी एंट्री के राजनीतिक असर दूरगामी होंगे? हालांकि इसका जवाब गुजशते वक्त की कोख में पल रहा है, जो समय के साथ स्पष्ट होता जाएगा।

25 शादियां, नीली बत्ती वाली कार और... गोरखपुर की लड़की से 26वीं मैरिज करके ऐसे फंसा फर्जी आईपीएस, कहानी जालसाज प्रीतम निषाद की

आर्यावर्त संवाददाता

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के इटावा के इकदिल थाना क्षेत्र के लुधियात मोहल्ले का रहने वाला फर्जी आईपीएस प्रीतम निषाद को गोरखपुर पुलिस गिरफ्तार करने के लिए रवाना हो गई है। गोरखपुर पुलिस आरोपी की गिरफ्तारी के लिए रविवार को इटावा के लिए रवाना हुई थी। फर्जी IAS प्रीतम निषाद पर गोरखपुर के कैंट इलाके की लड़की से फर्जी आईएएस बनकर शादी करने का आरोपी है। इस केस में प्रीतम की बहन, जीजा और परिवार के अन्य लोग भी आरोपी बनाए गए हैं। खुद को मानिकपुर का एसडीएम बताने वाले प्रीतम निषाद अब तक 25 शादियां कर लाखों रुपए ठग चुका है, उसके खिलाफ इटावा के इकदिल थाने में पहले से ही दो युवतियों ने मुकदमा

दर्ज कराया है। इस बार धोखाधड़ी का शिकार बने गोरखपुर कैंट थाना क्षेत्र के पीड़ित परिवार के लोग जब हकीकत जानने उसके घर पहुंचे तो पूरी हकीकत सामने आ गई।

गोरखपुर के रहने वाले लड़की के पीड़ित परिवार के लोग जब वहां पहुंचे तो फर्जी आईएएस द्वारा धोखे से 25 शादी किए जाने की जानकारी मिली। लड़की के परिवार वालों ने वहां पहुंचकर लड़की को अपने साथ घर लाएं। शादी में 30 लाख रुपए से अधिक खर्च होने के बाद परिवार के लोग सदमें में हैं। पीड़ित लड़की के पिता पैरालाइज्ड हैं, उनकी तीन बेटियां और एक बेटा है। दो बेटियों की शादी पहले ही हो चुकी है, छोटी बेटी के लिए रिश्ता तलाशना शुरू किया था। दिल्ली में रहने वाली बड़ी बेटी ने समाज के एक ग्रुप में आए युवक का प्रोफाइल दिखाया। इसमें लड़की के परिवार वालों को प्रीतम कुमार निषाद (निवासी लुधियात इटावा) 32 वर्षीय IAS अधिकारी तैनाती मानिकपुर एसडीएम पसंद आया।

लड़की के परिवार वाले जानकारी के लिए इटावा भी गए जहां पर फर्जी आईएएस ने लुधियात मोहल्ले में एक मकान दिखाया और बताया कि वह अपनी बड़ी बहन के साथ यहां रहता है। लड़की के परिवार वालों ने जब उसके गांव के बारे में पूछा तो उसने बताया कि उसका गांव पिछड़ा है। वहां कम आना जाना होता है, उसने बताया कि वह गांव का पहला आईएएस अधिकारी है। उसकी बातों से लड़की के परिवार वाले विश्वास कर गए और 11 मार्च 2026 को शादी तय कर दी। बाद में, उसने शादी के खर्च के नाम पर लड़की के परिवार वालों से 15 लाख रुपए ले लिए।

इतना ही नहीं, फर्जी IAS ने लड़की के परिवार वालों को विश्वास में लेने के लिए पुराने इंटरव्यू का वीडियो लड़की के परिवार वालों को भेजा और कुछ नेताओं के साथ सम्मानित होने का फोटो भी उन्हें भेज कर विश्वास में ले लिया। खुद को मानिकपुर का एसडीएम बताने वाले फर्जी IAS प्रीतम निषाद के घर पर शौचालय तक नहीं है, लेकिन फर्जी ड्रामे का उसे महारत हासिल है। इस घटना के बाद से ही वह इटावा स्थित घर से भाग गया। कैंट पुलिस उसके संभावित ठिकानों का पता करके उसकी गिरफ्तारी के लिए गोरखपुर से निकल चुकी है। कैंट पुलिस की माने तो आरोपी फर्जी IAS के पकड़े जाने के बाद सारी सच्चाई सामने आ जाएगी।

लड़की के पिता ने क्या कहा?

घटना की बात से गोरखपुर के कैंट थाना क्षेत्र के मोहद्दीपुर स्थित पीड़ित लड़की के घर पर सन्नाटा पसरा हुआ है। लड़की के पिता का कहना है कि बारात में 20 से 30 की संख्या में बाराती आए थे, इसमें फर्जी IAS के शातिर दीदी और जीजा के साथ पिता और बच्चे शामिल थे। प्रीतम निषाद ने दूल्हा बनने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी थी। शाम के समय हुए शादी कार्यक्रम में वह शेरवानी पहन कर आया था। इतना ही नहीं, रात को सात फेरे लेने से पहले भी उसने कपड़े बदले थे।

लड़की के पिता से कही थी ये बात

लड़की के पिता ने बताया कि प्रीतम शादी के चार दिन पहले 7 मार्च को गोरखपुर आया था, जिस कार से वो आया था उस पर भारत सरकार लिखा हुआ था और उसके साथ एक असिस्टेंट भी था, जो उसके पीछे-पीछे चल रहा था। उसने घर आकर अपनी शादी का कार्ड दिया। जब लड़की के पिता ने यह पूछा कि कार्ड लेकर आने की क्या जरूरत थी, तो उसने बताया कि गोरखपुर में उसके समाज के कैबिनेट मंत्री और सांसद को शादी का कार्ड देना है, उसने कहा कि पुलिस के अधिकारी को भी कार्ड देने हैं, इसलिए वह गोरखपुर आया है। लड़की के पिता की माने तो प्रीतम के गांव से एक कॉल उनके मोबाइल पर आया था जिन्होंने बताया कि प्रीतम गांव से भागा हुआ है। उसने इससे पहले 25 सादियां झूठ बोलकर की है, यह उसकी 26वीं शादी है। फिलहाल गोरखपुर की कैंट पुलिस आरोपी फर्जी IAS और उसके परिवार वालों को पकड़ने के लिए गोरखपुर से निकल चुकी है। आरोपी के पकड़े जाने के बाद और जानकारी मिल पाएगी।

सामूहिक विवाह में 20 जोडे परिणय सूत्र में बंधे

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। वैश्य चेतना महासभा के तत्ववधान में 15वां सामूहिक विवाह समारोह, प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र प्रसाद साहू के नेतृत्व में ग्राम विकास इंटर कॉलेज,खुटहन के मैदान में का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न धर्म एवं जाति के 20 जोड़ों का परिणय सूत्र बंधन कार्य हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि अरविंद गांधी राष्ट्रीय अध्यक्ष, , बबीता साहू पूर्व आईपीएस, कार्यक्रम अध्यक्ष ओमप्रकाश जायसवाल, अमृतलाल साहू , जिला अध्यक्ष पवन कुमार गुप्ता, ओमप्रकाश जायसवाल, ने महान विभूतियां के चित्र पर पुष्पांजलि एवं दीप प्रज्वलन करके षुभारंभ किया। वर यात्रा का शुभारम्भ पूर्व सांसद धनंजय सिंह ने किया, जिसमें सभी दूल्हे रंग-बिरंगे रथों पर सवार होकर गाजे बाजे, घोड़ा आदि के साथ धूमधाम से स्थानीय क्षेत्र का भ्रमण करते हुए कार्यक्रम स्थल तक वापस आए, तत्पश्चात परिणय सूत्र बंधन कार्यक्रम संपन्न हुआ। मुख्य अतिथि ने कहा कि उप जातियों द्वारा आपस में बेटी और रोटी का संबंध कायम करने से ही जाति व्यवस्था खत्म होगी तथा वैश्य समाज उन्नति के पथ पर अग्रसर होगा। सेवानिवृत आईपीएस श्रीमती बबीता साहू ने नारी शिक्षा पर जोर दिया, पूर्व एडीएम श्री अमृतलाल साहू ने कहा कि बिना एकता के हम किसी भी लक्ष्य की ओर नहीं बढ़ सकते। डॉ डीसी गुप्ता ने समाज के वंचित वर्ग लोगों के लिए सामूहिक विवाह की महत्ता पर प्रकाश डाला। संगठन के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष विनोद कुमार गुप्ता, जायसवाल ओमप्रकाश जायसवाल, सुरेंद्र जायसवाल, विजय जायसवाल, आदि ने अपने विचार व्यक्त किय डॉ चंद्रसेन गुप्ता, शेखर गुप्ता, सत्य प्रकाश गुप्ता, शिवकुमार साहू, यशवंत गुप्ता, प्यारेलाल गुप्ता, दुर्गा प्रसाद साहू, आदि उपस्थित रहे।

'भूत-प्रेत भी भगाएंगे, पैसे भी देंगे...', गोरखपुर में धर्मांतरण कराने वाले गिरोह का पर्दाफाश, मां बेटे सहित 4 अरेस्ट

आर्यावर्त संवाददाता

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में धर्मांतरण कराने के प्रयास के मामले में गुलरिहा पुलिस ने मां-बेटे समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। ये लोग धन का लालच देकर धर्मांतरण के लिए प्रेरित करते थे। इस मामले में लिखित शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने धर्म परिवर्तन अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की है। जानकारी के अनुसार, इस क्षेत्र में काफी समय से धन का लालच देकर धर्मांतरण के लिए प्रेरित करने की चर्चाएं मिल रही थी, लेकिन लिखित शिकायत ना मिलने पर पुलिस कोई कार्रवाई नहीं कर रही थी। आरोपी लोगों को भूत प्रेत की बीमारी भगाने के नाम पर बुलाते हैं और धर्म परिवर्तन करने के लिए प्रेरित करते थे। गोरखपुर की गोरखनाथ थाना क्षेत्र के सूरजकुंड में रहने वाले शीतल मिश्रा ने गुलरिहा थाने में लिखित तहरीर देकर आरोप लगाया था कि कुछ लोग धन का

लालच देकर लोगों को धर्म परिवर्तन के लिए प्रेरित कर रहे हैं। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने जांच शुरू की थी।

मास्टरमाइंड की तलाश में जुटी पुलिस

बिहार का रहने वाला विल्सन नाम का व्यक्ति स्वयं धर्म परिवर्तन करने के बाद अन्य लोगों को इसमें शामिल करने का प्रयास कर रहा था। इस कार्य के लिए उसने कुशीनगर जिले के रामकोला के रहने वाले अमित सिंह उनकी मां रीता देवी, गुलरिया क्षेत्र की सरहरी निवासी विक्की कुमार और पीपीगंज थाना क्षेत्र की वार्ड नंबर 6 के रहने वाले कन्हैया यादव के साथ मिलकर धर्मांतरण करने की गतिविधि शुरू की थी।

पैसों का लालच देकर कराते थे धर्म परिवर्तन

शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने जांच शुरू की जांच में सत्यता मिलने पर पुलिस ने रविवार को चार लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस को बिहार के मास्टरमाइंड की तलाश है। अब पुलिस इन आरोपियों के अन्य सहयोगियों और उनकी अन्य गतिविधियों की जांच कर रही है। यह लोग गुलरिहा बाजार भारत है, आयुष विश्वविद्यालय के आसपास सरकारी जंगल, एकल पिपराइच और पीपीगंज सहित अन्य क्षेत्रों में विशेष रूप से मिशनरी स्कूलों के आसपास धर्मांतरण का प्रयास कर रहे थे। इस मामले में क्षेत्राधिकारी रवि कुमार सिंह ने बताया कि रविवार को शिकायत मिली थी कि गुलरिहा थाना क्षेत्र का रहने वाला विक्की बिहार का रहने वाला विल्सन के साथ मिलकर विभिन्न लोगों के धर्मांतरण का प्रयास कर रहा है। इस संदर्भ में गुलरिहा थाने में मुकदमा दर्ज कर चार लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

खुश रहना हमारे अपने हाथ में : अन्नू त्यागी

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष शिविर के षष्ठम दिवस पर साइबर अपराध से बचाव एवं मानसिक स्वास्थ्य विषय पर विशेष व्याख्यानों का आयोजन किया गया। इसके साथ ही शहीद दिवस के अवसर पर विभिन्न जागरूकता एवं प्रेरक कार्यक्रम आयोजित हुए। प्रथम सत्र में विश्वविद्यालय के साइबर क्लब के नोडल अधिकारी एवं जनसंचार विभाग के शिक्षक डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर ने साइबर सुरक्षा विषय पर व्याख्यान देते हुए कहा कि डिजिटल युग में साइबर सुरक्षा अत्यंत आवश्यक है। छोटी-छोटी सावधानियां अपनाकर हम बड़े साइबर अपराधों से बच सकते हैं। उन्होंने स्वयंसेवकों को साइबर क्राइम से बचाव हेतु महत्वपूर्ण सुझाव दिए तथा 'संचार साथी' उपयोगी मोबाइल ऐप डाउनलोड करवाकर उसके प्रभावी उपयोग की जानकारी भी दी। वेलनेस सेंटर की नोडल अधिकारी एवं अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान विभाग की डॉ. अन्नू त्यागी ने 'युवा और मानसिक स्वास्थ्य' विषय पर व्याख्यान देते हुए कहा कि खुश रहना हमारे अपने हाथ में है और हम सकारात्मक सोच के माध्यम से अपने जीवन में खुशियाँ भर सकते हैं। युवाओं के लिए आत्मविश्वास, सकारात्मक सोच और भावनात्मक संतुलन का विकास अत्यंत आवश्यक है।अगले सत्र में प्रो. हरिओम त्रिपाठी एवं डॉ. ममता सिंह ने शहीद दिवस एवं राष्ट्र प्रेम विषय पर संयुक्त रूप से अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि शहीदों का बलिदान हमें राष्ट्र के प्रति समर्पण और कर्तव्यबोध की प्रेरणा देता है। उनके आदर्शों को अपनाना ही सच्ची श्रद्धांजलि है। युवाओं को देशहित में सदैव अग्रणी भूमिका निभानी चाहिए।

मुरादाबाद में बेकाबू कार का तांडव, 12 लोगों को रौंदा, रूह कंपा देने वाला Video वायरल

आर्यावर्त संवाददाता

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जिले में एक भीषण सड़क हादसे की खबर सामने आई है। मुरादाबाद-संभल मार्ग पर मैनाठेर थाना क्षेत्र के ग्राम जटपुरा में एक तेज रफ्तार अनियंत्रित वाहन ने सड़क किनारे चल रहे राहगीरों और बाइक सवारों को जोरदार टक्कर मार दी। इस दर्दनाक हादसे में लगभग 12 लोग घायल हुए हैं, जिनमें से कई की हालत गंभीर बनी हुई है। पूरी वारदात वहां लगे एक सीसीटीवी (CCTV) कैमरे में कैद हो गई है, जिसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि तेज रफ्तार वाहन ने हाईवे पर किस कदर कहर बरपाया। यह हादसा इतना भयंकर था कि वाहन की चपेट में आने से ट्यूशन जा रही एक मासूम बच्ची समेत मौके पर खड़े कई लोग लहूलुहान हो गए।

स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका उपचार चल रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों और वीडियो के आधार पर बताया जा रहा है कि दुर्घटनाग्रस्त वाहन में क्षमता से अधिक लोग सवार थे।

हादसे को अंजाम देने के बाद वाहन चालक मौके से फरार होने में कामयाब रहा। मुरादाबाद पुलिस ने घटना का संज्ञान लेते हुए CCTV फुटेज को कब्जे में ले लिया है और कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि फुटेज के आधार पर वाहन की पहचान की जा रही है और आरोपी चालक को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। CCTV फुटेज देखने वाले लोग दंग हैं, क्योंकि चंद सेकंड के भीतर ही बेकाबू वाहन ने हाईवे पर कई जिंदगियों को खतरे में डाल दिया। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है ताकि यह स्पष्ट हो सके कि हादसा तकनीकी खराबी के कारण हुआ या चालक की लापरवाही की वजह से।

सहादत दिवस पर माला फूल चढ़ाया

जौनपुर। हिन्दुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन आर्मी एव लक्ष्मी बाई ब्रिगेड द्वारा दीवानी बार एसोसिएशन के प्रांगण में सहीद -ए-आजम सरदार भगत सिंह, राजगुरु, सुखदेव, का 95 वा सहादत दिवस पर माला फूल चढ़ा कर मोमबत्ती अगरबत्ती जलाये दो मिनट मौन रहकर श्रंद्धाजलि अर्पित किया।लक्ष्मी बाई ब्रिगेड की अध्यक्ष मंजीत कौर ने कहा कि शहीद ए आजम सरदार भगत सिंह का जन्म लायलपुर के बग्गा गांव अमृतसर में एक किसान के घर 28 सितम्बर 1907 को हुआ था, उनके परिवार में सभी क्रांतिकारी विचार के देश भक्त थे, उनके जन्म के पश्चात उनके चाचा जेल से छूट गए परिवार में खुशी का माहौल था, इसीलिए भगत सिंह को प्यार से भगोवाल कह कर बुलाते थे। 7 साल की उम्र में बन्दूक बोने वाला बालक जलियांवाला बाग हत्याकांड में सीसी में खून से सनी मिट्टी भरकर प्रतिज्ञा किया कि अंग्रेजो के साम्राज्यवाद को उखाड़ फेंकेंगे।

सिर्फ 2 रुपये के लिए खूनी खेल... रायबरेली में हिस्ट्रीशीटर ढाबा संचालक ने परिवार को रॉड और लाठियों से पीटा

आर्यावर्त संवाददाता

रायबरेली। उत्तर प्रदेश के रायबरेली में दबंगई और गुंडागर्दी का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां शहर कोतवाली क्षेत्र के जिला अस्पताल चौराहे पर स्थित एक ढाबे पर महज दो रुपये के लेनदेन को लेकर विवाद इतना बढ़ा कि ढाबा संचालक ने अपने साथियों के साथ मिलकर एक ही परिवार के चार लोगों पर जानलेवा हमला कर दिया। इस हमले में युवक, उसके बुजुर्ग पिता और दो महिलाओं को लोहे की रॉड और लाठी-डंडों से बेरहमी से पीटा गया है।

जानकारी के मुताबिक, पीड़ित परिवार मूल रूप से पड़ोसी जिले उन्नाव का रहने वाला है। परिवार के सदस्य रायबरेली जिला अस्पताल में भर्ती अपने एक रिश्तेदार (मामा) को देखने आए थे। अस्पताल के बाहर स्थित ढाबे पर खान-पान के दौरान

बिल के भुगतान को लेकर सिर्फ दो रुपये का अंतर आया, जिस पर ढाबा संचालक शिवा सोनकर भड़क गया।

आरोप है कि शिवा सोनकर ने अपने गुर्गों के साथ मिलकर मामूली बात पर गाली-गलौज शुरू कर दी और देखते ही देखते लोहे की रॉड और लाठियों से पूरे परिवार पर टूट पड़ा। हमले में युवक के सिर और शरीर पर गंभीर चोटें आई हैं, उसे आनन-फानन में जिला अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कराया गया है। बीच-बचाव करने आईं परिवार की महिलाओं को भी दबंगों ने नहीं बख्शा और उनके साथ भी मारपीट की।

पुलिस रिकॉर्ड में दर्ज हैं कई मुकदमे

हमलावर शिवा सोनकर इलाके का कुख्यात हिस्ट्रीशीटर बताया जा रहा है। उसके खिलाफ जनपद के विभिन्न थानों में हत्या के प्रयास, लूट और रंगदारी जैसे कई गंभीर आपराधिक मुकदमे पहले से दर्ज हैं। अस्पताल जैसे संवेदनशील इलाके में सरेआम हुई इस वारदात ने पुलिस के इकबाल पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं।

क्या कहते हैं डॉक्टर?

जिला अस्पताल के ईएमओ डॉ। अतुल पांडेय ने बताया कि अस्पताल लाए गए घायलों में एक युवक की स्थिति गंभीर है, जिसके सिर पर गहरी चोट लगी है। प्राथमिक उपचार के बाद उसे निगरानी में रखा गया है। अन्य घायलों का भी उपचार किया जा रहा है।

जांच में जुटी पुलिस

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन आरोपी तब तक फरार हो चुके थे। पुलिस ने पीड़ित परिवार की तहरीर पर मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि सीसीटीवी फुटेज और चश्मदीदों के बयान के आधार पर दबिश दी जा रही है और जल्द ही हिस्ट्रीशीटर शिवा सोनकर को गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे भेजा जाएगा।

जेवर एयरपोर्ट पर दिखेंगे काशी-हरिद्वार के गंगा घाट, मिलेगा प्राचीन हवेलियों जैसा सुकून... 28 मार्च होगा शंखनाद

आर्यावर्त संवाददाता

नोएडा। ग्रेटर नोएडा के जेवर में बन रहे नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट देश के सबसे खास और आधुनिक एयरपोर्ट में शामिल होने जा रहा है। यह एयरपोर्ट सिर्फ हवाई यात्रा का केंद्र नहीं होगा। बल्कि, भारतीय संस्कृति और विरासत को दुनिया के सामने पेश करने का एक बड़ा माध्यम बनेगा। एयरपोर्ट का पूरा डिजाइन इस तरह तैयार किया गया है कि यहां आने वाले हर यात्री भारत की पारंपरिक खूबसूरती और आधुनिक तकनीक का एक साथ अनुभव कर सकेंगे। इस एयरपोर्ट की सबसे बड़ी खास बात यह है कि जिसमें वाराणसी और हरिद्वार के प्रसिद्ध गंगा घाटों की झलक देखने को मिलेगी।

एयरपोर्ट का पूरा डिजाइन इस तरह तैयार किया गया है कि यहां टर्मिनल के प्रवेश द्वार सीढ़ियों और

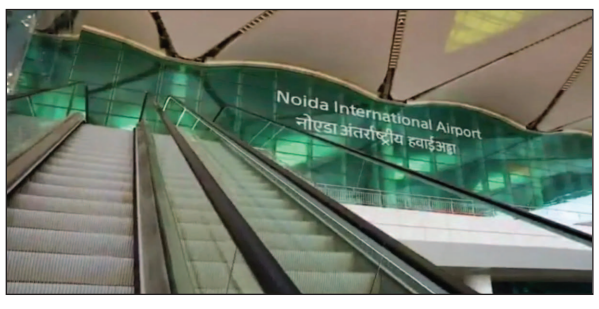

अन्य हिस्सों को घाटों की तर्ज पर तैयार किया गया है। जैसे ही यात्री एयरपोर्ट में प्रवेश करेंगे उन्हें ऐसा महसूस होगा कि वह किसी पवित्र घाट पर पहुंचे हों। यह डिजाइन खास तौर पर विदेशी पर्यटकों को भारत की संस्कृति से जोड़ने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। एयरपोर्ट के टर्मिनल की छत को नदी की लहरों के आकार में डिजाइन किया गया है, जो इसे बेहद खास बनाते हैं। सफेद और हल्की पारदर्शी संरचना वाली यह छत न सिर्फ देखने में सुंदर है बल्कि यह प्राकृतिक रोशनी को अंदर लाने में भी मदद करती है। इससे एयरपोर्ट के अंदर का माहौल खोल शांत और ऊर्जा से भरपूर महसूस होगा साथ ही बिजली की भी खपत कम होगी।

टर्मिनल के अंदर का इंटीरियर पारंपरिक भारतीय हवेली की शैली में तैयार किया गया है। यह एक बड़ा केंद्रीय कोर्ट यार्ड बनाया गया है, जो पुराने भारतीय घरों के आंगन जैसा अनुभव देगा। इससे यात्रियों की भीड़ के बीच भी खुलापन और आराम महसूस होगा, जो लंबे सफर के दौरान काफी राहत देता है। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के निर्माण में पर्यावरण संरक्षण का विशेष ध्यान रखा गया है। यहां बैठने वालों के लिए बांस से बने फर्नीचर का उपयोग किया जा रहा है, जो पर्यावरण के लिए अनुकूल है।

इसके अलावा एयरपोर्ट को इस तरह डिजाइन किया गया है कि प्राकृतिक रोशनी और हवा का अधिकतम उपयोग हो सके। छत पर इस्तेमाल किया गया विशेष कपड़ा आग, पानी और धूप से सुरक्षित है, जिससे इसकी मजबूती और टिकाऊपन बढ़ता है। अधिकारियों का कहना है कि यह एयरपोर्ट अत्याधुनिक तकनीक से लैस होगा जहां यात्रियों को विश्व स्तरीय सुविधाएं मिलेंगीं।

डिजिटल सिस्टम स्मार्ट चेक इन बेहतर

सुरक्षा व्यवस्था और आरामदायक वेटिंग एरिया जैसी सुविधाएं इसे एक स्मार्ट एयरपोर्ट बनाएंगे। यात्रियों के लिए यहां का अनुभव तेज सुरक्षित और सुविधाजनक होगा। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के उद्घाटन को लेकर तैयारियां अंतिम चरण में हैं। 28 मार्च को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसका उद्घाटन करने ग्रेटर नोएडा आ रहे हैं। वहीं, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी लगातार तैयारी की समीक्षा कर रहे हैं। इस एयरपोर्ट के शुरू होने से न सिर्फ नोएडा और ग्रेटर नोएडा बल्कि पूरे उत्तर प्रदेश को बहुत बड़ा फायदा होगा। यह एयरपोर्ट अंतरराष्ट्रीय कनेक्टिविटी को मजबूत करेगा जिससे व्यापार निवेश और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे।

एक नया अनुभव देगा नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट आने वाले समय में सिर्फ एक ट्रांसपोर्ट हम नहीं रहेगा। बल्कि, यह एक ऐसा स्थान बनेगा जहां लोग भारतीय संस्कृति वास्तुकला और आधुनिकता का अनूठा संगम देख पाएंगे काशी और हरिद्वार के घाटों की झलक नदी की लहरों जैसी छत और हवेली जैसा इंटीरियर इस देश नहीं दुनिया के सबसे अलग और खास एयरपोर्ट में शामिल करेगा।

लोहिया की विचारधारा समाजवाद की विचारधारा

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। समाजवादी चिंतक, महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं समाजवादी आंदोलन के प्रणेता, समाजवाद के संस्थापक डॉ राम मनोहर लोहिया की जयंती समारोह समाजवादी पार्टी के जिला कार्यालय सदर चुंगी अलफस्टीनगंज जिला अध्यक्ष राकेश मौर्य की अध्यक्षता में समारोह पूर्वक मनाई गई। अध्यक्षता कर रहे जिला अध्यक्ष ने कहा कि डॉ राम मनोहर लोहिया की विचारधारा समाजवाद की विचारधारा है, समता मूलक, अनुपातिक समानता की विचारधारा आज देश ही नहीं दुनिया में प्रासंगिक है। कहा कि उन्होंने अपना पूरा जीवन सामाजिक समानता पीडीए के अधिकारों एवं हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाने के लिए समर्पित कर दिया।वह प्रखर समाजवादी रहे जिन्होंने समाजवाद और अन्याय के खिलाफ लड़ाई को मुख्यधारा में लाया।उनका उद्देश्य सामाजिक समानता, पिछड़ों, दलितों और महिलाओं के अधिकारों के लिए संघर्ष। उन्होंने श्चैखंभा राज्यश की अवधारणा दी थी। वह दिन दूर नही जब डॉ लोहिया की विचारधारा वाली समाजवादी सरकार देश प्रदेश में बनेगी।और हम डॉ राममनोहर लोहिया जी की विचारधारा को शत प्रतिशत लागू करते हुए समता मूलक समाज की स्थापना करेंगे।यही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। समारोह को पूर्व मंत्री शैलेंद्र यादव ललई, पूर्व विधायक राजनरायन बिंद, पूर्व विधायक मोहम्मद अरशद खान, सुश्री पूनम मौर्य, ऊषा जायसवाल, प्रदेश सचिव पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ लाल मोहम्मद राईनी, रजनीश मिश्र, नंदलाल यादव, दिलीप प्रजापति, आनंद गुप्ता, अशोक यादव नायक, बी एल भारती, आदि ने संबोधित करते हुए डॉ राम मनोहर लोहिया को श्रद्धांजलि अर्पित किया।

अनजान लोगों से बातचीत में लगता है डर, कांपने लगते हैं हाथ-पैर? कहीं आप SAD का शिकार तो नहीं

सोशल एंग्जाइटी डिसऑर्डर एक मानसिक स्वास्थ्य स्थिति है जिसमें व्यक्ति को सामाजिक परिस्थितियों जैसे लोगों के सामने बोलना, नई जगह जाना या किसी से बातचीत करने से डर लगता है। उसे लगता है कि लोग उसे जज करेंगे या उसका मजाक उड़ाएंगे।

शरीर को स्वस्थ रखने के लिए शारीरिक और मानसिक दोनों तरह की सेहत पर ध्यान देते रहना जरूरी हो जाता है। अक्सर हम सभी अपनी शारीरिक सेहत पर तो ध्यान दे लेते हैं, पर मेंटल हेल्थ को अक्सर अनदेखा कर दिया जाता है।

मेडिकल रिपोर्ट्स से पता चलता है कि काम के बढ़ते दबाव, सोशल मीडिया पर लोगों से अपनी तुलना, असुरक्षा की भावना और अकेलेपन के कारण स्ट्रेस और एंग्जाइटी की समस्या सभी उम्र के लोगों में बढ़ती जा रही है। अमर उजाला में प्रकाशित रिपोर्ट में हमने पहले ही बताया था कि अकेलापन किस तरह से गंभीर बीमारियों, यहां तक कि कैंसर के खतरे तक को बढ़ाने वाला हो सकता है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन डब्ल्यूएचओ के अनुसार दुनियाभर में करोड़ों लोग एंग्जाइटी डिसऑर्डर से जूझ रहे हैं। कई मामलों में डर और चिंता इतनी बढ़ जाती है कि रोजमर्रा की जिंदगी, पढ़ाई, नौकरी या रिश्तों पर असर डालने लगती है। सैड यानी सोशल एंग्जाइटी डिसऑर्डर भी ऐसी ही समस्या है जिसका खतरा युवाओं में काफी तेजी से बढ़ता देखा जा रहा है।

सोशल एंग्जाइटी डिसऑर्डर के बारे में जानिए

सोशल एंग्जाइटी डिसऑर्डर या सोशल फोबिया ऐसी समस्या है जिसकी अक्सर लोगों में पहचान ही नहीं हो पाती है। इस समस्या के शिकार लोगों को अनजान लोगों से बात करने, नई जगह जाने या लोगों से मिलने में डर लगने लगता है। अक्सर लोग इसे शर्मीलापन समझकर नजरअंदाज कर देते हैं, हालांकि कुछ लोगों में ये समस्या इतनी बढ़ सकती है कि इसका असर उनके दैनिक जीवन को भी प्रभावित करने लग जाता है।

सोशल एंग्जाइटी डिसऑर्डर को विशेषज्ञ मानसिक स्वास्थ्य स्थिति मानते हैं, जिसकी पहचान और इलाज जरूरी है।

इस डिसऑर्डर के कारण रोगी को लगने लगता है कि लोग उसे जज करेंगे या उसका मजाक उड़ाएंगे।

अमेरिकन साइकियाट्रिक एसोसिएशन की गाइडलाइन यह डर अगर छह महीने तक बना रहे और दैनिक जीवन को प्रभावित करने लगे तो इसे डिसऑर्डर माना जाता है।

कैसे की जाती है इस डिसऑर्डर की पहचान?

सोशल एंग्जाइटी डिसऑर्डर के कारण आपको कई तरह की समस्याएं होने लगती हैं, जिसका असर सामाजिक जीवन पर भी पड़ने लग जाता है।

ऐसी स्थितियों से डर लगना जहां आपका नकारात्मक रूप से मूल्यांकन हो सकता है

शर्मिंदा या अपमानित महसूस करने की चिंता।

अजनबियों से बातचीत करने में डर लगना।

यह भी डर रहना कि दूसरे लोग भांप लेंगे कि आप घबराए हुए दिख रहे हैं।

इसमें शारीरिक लक्षण भी हो सकते हैं जैसे कि दूसरों से बातचीत में चेहरा लाल होना, पसीना आना, कांपना या आवाज का लड़खड़ाना।

ऐसी स्थितियों से बचना जहां आप सबकी नजरों में हो सकते हैं।

ये दिकक्त होती क्यों है?

अध्ययनों से पता चलता है कि सोशल एंग्जाइटी डिसऑर्डर के लिए कई जेनेटिक फैक्टर, बचपन का ट्रॉमा, अत्यधिक आलोचना और दिमाग में सेरोटोनिन हार्मोन का असंतुलन होना एक कारण हो सकता है।

अगर आपके माता-पिता या भाई-बहनों को यह समस्या है, तो आपको भी सोशल एंग्जायटी डिसऑर्डर होने का खतरा बढ़ जाता है।

जिन बच्चों को चिढ़ाया जाता है, तंग किया जाता है और सामाजिक रूप से अक्सर नकारा जाता है, उनमें भी खतरा अधिक होता है।

किसी को ये डिसऑर्डर हो तो क्या करें?

सोशल एंग्जायटी डिसऑर्डर किसी को भी हो सकती है। जिन लोगों में डॉक्टर इस समस्या की पहचान करते हैं उन्हें साइकोथेरेपी जैसे मनोवैज्ञानिक परामर्श या टॉक थेरेपी की सलाह दी जाती है। इसके अलावा कुछ दवाओं के इस्तेमाल से दिमाग के कैमिकल इंबैलेंस और लक्षणों को ठीक करने में मदद मिल सकती है।

गर्मियों के दौरान साड़ी पहनते समय इन 5 बातों का रखें ध्यान

गर्मियों के दौरान साड़ी पहनना कुछ महिलाओं के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकता है क्योंकि गर्मी और उमस के कारण वे असहज महसूस करती हैं। हालांकि, सही कपड़े और स्टाइलिंग से आप इस पारंपरिक परिधान में भी आरामदायक और स्टाइलिश महसूस कर सकती हैं। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे फैशन टिप्स देते हैं, जिन्हें अपनाकर आप गर्मियों में भी साड़ी पहनने का आनंद ले सकती हैं।

हल्के कपड़े का करें चयन

गर्मियों में साड़ी पहनते समय हल्के और सांस लेने वाले कपड़े का चयन करना सबसे जरूरी है। सूती, लिनेन और जॉर्जेट जैसी साड़ियां इस मौसम के लिए बेहतरीन विकल्प होती हैं। ये कपड़े न केवल हल्के होते हैं, बल्कि इनमें पसीना सोखने की क्षमता भी होती है, जिससे आप ताजगी महसूस करेंगी। इसके अलावा ये कपड़े गर्मी में शरीर को ठंडा रखते हैं और पहनने में भी आरामदायक होते हैं।

हल्के रंगों का करें चयन

गर्मियों में हल्के रंगों की साड़ी पहनना एक अच्छा विचार हो सकता है। हल्के गुलाबी, हरा, पीला या नीला इस मौसम में बहुत अच्छे लगते हैं। ये रंग न केवल आपको ताजगी देंगे, बल्कि धूप में भी आपको ठंडक का अहसास कराएंगे। इसके अलावा हल्के रंगों की साड़ियां पहनकर आप हर मौके पर आकर्षक दिख सकती हैं और आपका लुक भी खास लगेगा।

कम गहनों का करें उपयोग

गर्मियों में भारी गहने पहनना असहज हो सकता है इसलिए इसे कम से कम रखें। हल्के झुमके या छोटे हार पहनें ताकि आपका लुक साधारण और आकर्षक लगे। अगर आप चाहें तो हाथों में पतले कंगन या चूड़ियां भी पहन सकती हैं, जो आपके लुक को पूरा करेंगे। इसके अलावा आप बिना भारी गहनों के भी सुंदर दिख सकती हैं और गर्मी में असहजता से बच सकती हैं।

हेयरस्टाइल पर दें ध्यान

गर्मियों में बालों को संभालना मुश्किल हो सकता है, खासकर अगर आपके बाल लंबे हों। इसलिए हेयरस्टाइल ऐसी चुनें, जो सरल हो और लंबे समय तक टिके रहे। पोनीटेल, बन या चोटी जैसी हेयरस्टाइल्स इस मौसम के लिए बेहतरीन विकल्प हैं। इसके अलावा आप बालों को खुला रखने के लिए हल्की पिनअप स्टाइल भी अपना सकती हैं, जिससे आपका लुक और भी खास लगेगा। इन सरल हेयरस्टाइल्स से आप गर्मियों में भी स्टाइलिश दिख सकती हैं।

फुटवियर का चयन करें सोच-समझकर

जूते का चयन करते समय आरामदायक होना जरूरी है। चप्पलें या फ्लैट सैंडल्स पहनें ताकि चलने में कोई दिक्कत न हो और पैरों में पसीना भी कम आए। अगर आप चाहें तो हल्के हील्स भी पहन सकती हैं, लेकिन सुनिश्चित करें कि वे आरामदायक हों। इस तरह आप गर्मियों में भी साड़ी पहनकर स्टाइलिश दिख सकती हैं और साथ ही आरामदायक महसूस कर सकती हैं।

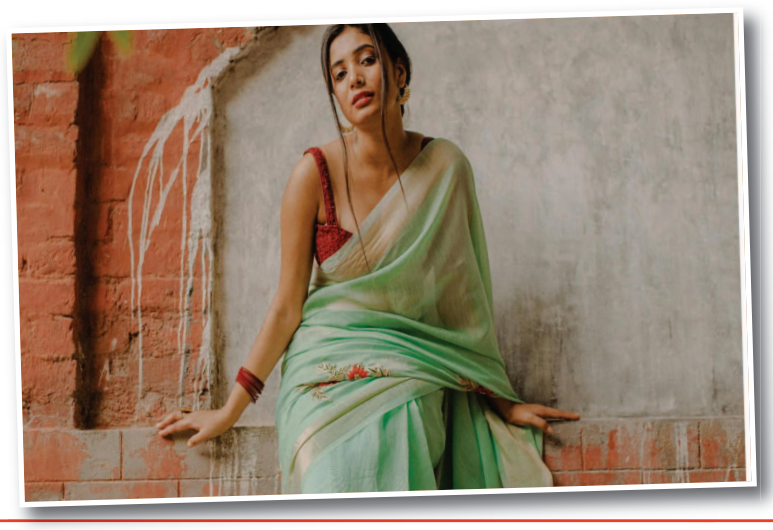

ज्यादा पसीना आता है? इन 5 तरीकों से पसीना हो सकता है कम

अधिक पसीना आना एक आम समस्या है, जो कई लोगों को परेशान करती है। यह समस्या खासकर गर्मियों में अधिक होती है, लेकिन कुछ घरेलू उपायों से आप इसे कम कर सकते हैं। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे आसान और प्रभावी घरेलू नुस्खे बताने जा रहे हैं, जिनसे आप अपने शरीर के पसीने को नियंत्रित कर सकते हैं और अधिक आरामदायक महसूस कर सकते हैं। इन नुस्खों को अपनाकर आप गर्मियों में भी तरोताजा महसूस करेंगे।

पानी का सेवन बढ़ाएं

अधिक पानी पीने से आपके शरीर का तापमान नियंत्रित रहता है और पसीना कम आता है। दिनभर में कम से कम 8-10 गिलास पानी पीने की कोशिश करें। इसके अलावा आप नींबू पानी, नारियल पानी या ताजे फलों का रस भी ले सकते हैं। इससे न केवल आपका शरीर ताजगी महसूस करेगा, बल्कि आप तरोताजा भी रहेंगे। पसीना कम करने के लिए ठंडे पानी का सेवन भी फायदेमंद हो सकता है।

हल्का और ढीला कपड़ा पहनें

गर्मियों में हल्के और ढीले कपड़े पहनना बहुत जरूरी है ताकि हवा आसानी से आपके शरीर तक पहुंच सके और पसीना जल्दी सूख सके। सूती या लिनन के कपड़े सबसे अच्छे विकल्प होते हैं क्योंकि ये त्वचा को सांस लेने देते हैं और पसीने को जल्दी सोख लेते हैं। इसके अलावा हल्के रंगों के कपड़े धूप को कम अवशोषित करते हैं, जिससे आप ठंडा महसूस करते हैं। इसलिए अपने कपड़ों में ऐसे कपड़ों को प्राथमिकता दें।

पसीने की बदबू रोकने वाला स्प्रे

पसीने की बदबू और उसके प्रभाव को कम करने के लिए एक अच्छा पसीने की बदबू रोकने वाला स्प्रे बहुत जरूरी है। रोजाना नहाने के बाद अपने हाथों और पैरों पर विशेष ध्यान देते हुए स्प्रे लगाएं, खासकर उन जगहों पर जहां पसीना अधिक आता है। इसके अलावा आप एंटी-परस्पिरेंट स्प्रे का भी उपयोग कर सकते हैं, जो पसीने को कम करने में मदद करते हैं।

नींबू का रस लगाएं

नींबू का रस प्राकृतिक रूप से शरीर के संतुलन को बनाए रखता है, जिससे बैक्टीरिया पनप नहीं पाते और बदबू नहीं आती। नहाने के बाद या सोने से पहले अपने हाथों और पैरों पर नींबू का रस लगाएं। इसे कुछ देर सूखने दें और फिर धो लें। यह उपाय आपकी त्वचा को ताजगी देगा और पसीने की बदबू को दूर रखेगा। नियमित उपयोग से आप इस समस्या से काफी हद तक राहत पा सकते हैं।

बेकिंग सोडा का इस्तेमाल करें

बेकिंग सोडा एक प्रभावी घरेलू उपाय है, जो त्वचा की नमी को सोखता है और बदबू को दूर करता है। अपने हाथों और पैरों पर थोड़ी मात्रा में बेकिंग सोडा छिड़कें और कुछ मिनट छोड़ दें, फिर इसे धो लें। इससे आपकी त्वचा साफ रहेगी और बदबू नहीं आएगी। इन सभी घरेलू उपायों को अपनाकर आप अपने शरीर के पसीने को नियंत्रित कर सकते हैं और गर्मियों में तरोताजा महसूस कर सकते हैं।

सरकार ने पैन आवेदन नियमों में बदलाव का किया एलान, 1 अप्रैल से इन दस्तावेजों की होगी जरूरत

सरकार ने स्थायी खाता संख्या (पैन) आवेदन प्रक्रिया में बदलाव की घोषणा की है । ये संशोधित नियम 1 अप्रैल, 2026 से लागू होंगे । नागरिकों को 31 मार्च, 2026 से पहले केवल आधार का उपयोग करके आवेदन करने की सलाह दी गई है ।

सरकार ने स्थायी खाता संख्या (पैन) के आवेदन प्रक्रिया में बड़े बदलाव की घोषणा की है। नए नियम 1 अप्रैल 2026 से लागू होंगे, जिसके बाद पैन कार्ड के लिए केवल आधार के आधार पर आवेदन करना संभव नहीं होगा। सरकार समर्थित कॉमन सर्विस सेंटर्स (सीएससी) ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी देते हुए बताया कि फिलहाल 31 मार्च 2026 तक नागरिक केवल आधार के जरिए PAN के लिए आवेदन कर सकते हैं। इसके बाद नए नियम लागू होने पर अतिरिक्त दस्तावेज अनिवार्य हो जाएंगे।

क्या बदल जाएगा?

1 अप्रैल 2026 के बाद केवल आधार से पैन आवेदन स्वीकार नहीं होगा।

आवेदन के साथ जन्मतिथि का प्रमाण देना जरूरी होगा।

नए पैन आवेदन फॉर्म लागू होंगे, पुराने फॉर्म मान्य नहीं रहेंगे।

पैन कार्ड में दर्ज नाम को आधार के अनुसार ही रखा जाएगा।

किन दस्तावेजों की होगी जरूरत?

जन्म प्रमाण पत्र

वोटर आईडी
मैट्रिक प्रमाण पत्र
ड्राइविंग लाइसेंस
पासपोर्ट
शपथ पत्र (अफिडेविट)
अन्य सरकारी दस्तावेज

नागरिक PAN के लिए निम्न पोर्टल्स के जरिए आवेदन कर सकते हैं:

इनकम टैक्स विभाग का ई-फाइलिंग पोर्टल

प्रोटियन (पूर्व में NSDL eGov)

UTI इंफ्रास्ट्रक्चर टेक्नोलॉजी एंड सर्विसेज लिमिटेड (UTIITSL)

West Asia Crisis: रिफाइनरियों में एलपीजी उत्पादन 40% बढ़ा, सरकार ने लोगों से की अफवाहों से बचने की अपील

सरकार की सलाह

सरकार ने नागरिकों से अपील की है कि वे 31 मार्च 2026 से पहले अपने पैन से जुड़े काम पूरे कर लें, ताकि बाद में अतिरिक्त दस्तावेजों की जरूरत से बचा जा सके।

फर्जी ईमेल से सावधान रहने की चेतावनी

सरकार ने यह भी चेतावनी दी है कि 'ई-पैन डाउनलोड' के नाम पर फर्जी ईमेल और मैसेज भेजे जा रहे हैं। ऐसे किसी भी लिंक, कॉल या मैसेज पर अपनी व्यक्तिगत या वित्तीय जानकारी साझा न करें। पैन कार्ड वित्तीय और बैंकिंग लेन-देन के लिए एक महत्वपूर्ण दस्तावेज है, जबकि आधार 12 अंकों की एक यूनिक पहचान संख्या है, जिसे यूआईडीएआई द्वारा जारी किया जाता है।

रातों-रात डबल हो गए पेन ड्राइव और मेमोरी कार्ड के दाम, स्मार्टफोन की कीमतों में भी भारी उछाल

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर आप इन दिनों बाजार में पेन ड्राइव, मेमोरी कार्ड या नया स्मार्टफोन खरीदने जा रहे हैं, तो आपकी जेब पर भारी कैंची चलने वाली है। पिछले कुछ ही हफ्तों में स्टोरेज डिवाइस की कीमतों में आग लग गई है और दाम लगभग दोगुने हो चुके हैं। हैरानी की बात यह है कि इस बेतहाशा महंगाई के पीछे कोई और नहीं, बल्कि मुझ जैसी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (रड्ढ) तकनीकों की दुनिया भर में बढ़ती भारी मांग है। आइए जानते हैं कि कैसे रड्ढ के विस्तार ने पूरी दुनिया के सप्लाई चेन का गणित बिगाड़ कर रख दिया है।

कंपनियों ने बिगाड़ा सप्लाई चेन का खेल

मार्केट रिसर्चर कंपनी ड्ढष्ठष्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, एआई के बुनियादी ढांचे (इंफ्रास्ट्रक्चर) के तेजी से हो रहे विस्तार ने मेमोरी कार्ड की सप्लाई चेन को बुरी तरह प्रभावित किया है। दरअसल, स्मार्टफोन और पीसी में इस्तेमाल होने वाले ष्ठक्ररू और ह्रह्मष्ठ तकनीक वाले चिप्स की जरूरत अब रड्ढ डेटा सेंटर्स में सबसे ज्यादा हो रही है। माइक्रोसॉफ्ट, गूगल, मेटा और अमेजन जैसी दिग्गज टेक कंपनियां एआई प्रोसेसर्स के लिए सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स, एसके हाइनिक्स (स्य ॥4ठ्ठद्ब&) और माइक्रोन टेक्नोलॉजी जैसे बड़े सप्लायर्स पर भारी दबाव बना रही हैं। ये कंपनियां मुंहमांगे दाम देकर सारा स्टॉक खरीद रही हैं, जिससे आम उपभोक्ताओं के लिए बाजार में शॉर्टेज पैदा हो गई है। ड्ढष्ठष्ट का अनुमान है कि बाजार में यह कमी 2026 से लेकर 2027 की दूसरी छमाही तक बनी रह सकती है।

स्मार्टफोन की कीमतों में भी भारी उछाल

इस ग्लोबल किल्लत का सीधा असर आपके गैजेट्स के बजट पर पड़ रहा है। किसी भी स्मार्टफोन या पीसी की कुल लागत में मेमोरी चिप का हिस्सा 15 से 20 प्रतिशत तक होता है। अब पीछे से ही चिप की शॉर्टेज होने के कारण, नए स्मार्टफोन की कीमतों में 10 से 15 प्रतिशत तक का भारी इजाफा देखने को मिल रहा है। रिपोर्ट की मानें तो इन दिनों ष्ठक्ररू की कीमत में हर महीने 25 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी हो रही है। अक्टूबर से जनवरी के बीच ही मेमोरी कार्ड की कीमतें 40 प्रतिशत तक बढ़ गई थीं और फरवरी में इसमें 25 प्रतिशत का और इजाफा दर्ज किया गया।

180 रुपये वाली पेन ड्राइव पहुंची 360 के पार

थोक बाजार में इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के दाम इन दिनों हर सप्ताह अपडेट हो रहे हैं। दिल्ली और अन्य बड़े इलेक्ट्रॉनिक बाजारों के थोक विक्रेताओं के आंकड़ों पर नजर डालें तो जनवरी से लेकर मार्च के बीच पेन ड्राइव की कीमतों में जबरदस्त उछाल आया है। इस महंगाई का सबसे ज्यादा खामियाजा शादी के सीजन में वीडियोग्राफी और फोटोग्राफी करने वाले पेशेवरों को भुगतना पड़ रहा है, जिनका काम पूरी तरह से हाई-स्टोरेज मेमोरी कार्ड और फ्लैश ड्राइव पर ही निर्भर है।

कीमतों में आए इस चौंकाने वाले अंतर को आप बीते कुछ महीनों के आंकड़ों से साफ तौर पर समझ सकते हैं। जनवरी के महीने में जो 32त्रक्च की पेन ड्राइव थोक बाजार में महज 180 से 200 रुपये के बीच उपलब्ध थी, उसकी कीमत मार्च में बढ़कर 340 से 360 रुपये तक पहुंच गई है। हैरानी की बात यह है कि ज्यादा स्टोरेज वाली पेन ड्राइव के दामों में भी इसी तरह की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। 64त्रक्च क्षमता वाली पेन ड्राइव, जो पहले 395 से 415 रुपये के दायरे में मिल रही थी, अब मार्च में सीधे 580 रुपये के थोक भाव पर बिक रही है। कीमतों में आया यह बड़ा गैप सीधे तौर पर ग्राहकों की जेब पर असर डाल रहा है और रिटेल मार्केट में भी इसकी वजह से काफी हलचल मची हुई है।

न्यूयॉर्क के एयरपोर्ट पर फायर ट्रक से टकराई फ्लाइट, सवार थे यहूदी, आतंकी हमला तो नहीं?

न्यूयॉर्क, एजेंसी। ईरान में जारी जंग के बीच अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर में बड़ा हादसा हो गया है। न्यूयॉर्क के ला गार्डिया एयरपोर्ट के रनवे पर फायर ट्रक ने यहुदियों से भरे एक विमान को टक्कर मार दी, जिसमें 2 लोगों की मौत हो गई, जबकि 70 से अधिक लोग घायल हुए हैं। बताया जा रहा है कि विमान में 100 लोग सवार थे। कहा जा रहा है कि मना करने के बावजूद ट्रक नहीं रुका और विमान से जा टकराया।

इस हादसे में 70 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं तो वहीं अब तक 2 लोगों की मौत हो चुकी है। घटना के बाद एयरपोर्ट को बंद कर दिया गया है। सभी उड़ानों को JFK हवाई अड्डा की ओर डायवर्ट कर दिया गया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, यह विमान की यह टक्कर रनवे 4 के पास हुई, जब एयर कनाडा की CRJ-900 फ्लाइट टैक्सीवे से गुजर रही थी। टक्कर के बाद मौके पर फायर ब्रिगेड और बचाव टीमें पहुंची।

इस हादसे में विमान को नुकसान भी पहुंचा है। यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकालकर रनवे के पास सुरक्षित जगह पर ले जाया गया है। हादसे में बड़ी संख्या में लोग घायल भी हुए हैं। घटना के बाद एयरपोर्ट को बंद कर दिया गया और हालात को नियंत्रित करने की कोशिश की जा रही है।

हादसे से पहले एयर ट्रैफिक कंट्रोल ने विमान और ग्राउंड वाहन दोनों को रुकने के लिए कहा था, लेकिन फिर भी टक्कर हो गई। इस घटना के बाद फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन ने एयरपोर्ट पर सभी फ्लाइट्स रोक दीं और जांच शुरू कर दी गई है। इसके साथ ही विमान में सवार लोगों की भी जांच की जा रही है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार विमान में सवार ज्यादातर लोग यहूदी थे। हादसे के बाद के कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। सोशल मीडिया पर शेयर की गई एक क्लिप में दिख रहा है कि विमान का अगला हिस्सा कई डिग्री तक ऊपर उठ गया। इससे साफ है कि हादसा बड़ा है। यही वजह है कि एयरपोर्ट अगले आदेश तक पूरी तरह से बंद कर दिया गया है।

इसके साथ ही उड़ानों को दूसरे एयरपोर्ट पर डायवर्ट किया गया है। न्यूयॉर्क के इस हादसे के बाद एयर कनाडा ने बयान जारी किया है। इसमें कहा गया है कि वह पूरे हादसे की निगरानी कर रहे हैं। इसके साथ ही प्रभावित यात्रियों के परिवारों से संपर्क किया जा रहा है। घटना के बाद फिलहाल राहत और बचाव कार्य चल रहा है। इमरजेंसी सर्विसेज के तुरंत रिस्पांस के बाद घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

बार-बार बेइज्जत होने के बाद भी ईरान के खिलाफ US का सपोर्ट क्यों नहीं कर रहे कीर स्टार्मर?

तेहरान, एजेंसी। ईरान युद्ध में समर्थन न देने के कारण अमेरिका के राष्ट्रपति लगातार ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर का मजाक उड़ा रहे हैं। ट्रंप ने रविवार को एक वीडियो भी शेयर किया, जिसमें वे ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर की बेइज्जती करते दिख रहे हैं। ट्रंप स्टार्मर को कई मौकों पर भला-बुरा भी कह चुके हैं। इसके बावजूद ब्रिटेन ने ईरान के खिलाफ अमेरिका का सपोर्ट न करने का फैसला किया है।

सवाल उठ रहा है कि इराक और अफगानिस्तान में अमेरिका का आंख मूंदकर सपोर्ट करने वाला ब्रिटेन ईरान मामले में चुप्पी क्यों साध रखी है?

जंग से क्यों दूरी बना रहा ब्रिटेन?

1- यूरोप पहले से जंग में फंसा है- ब्रिटेन यूरोप में स्थित है और यूरोप पहले से जंग में फंसा है। रूस और यूक्रेन के बीच 2022 से ही लड़ाई चल रही है। ब्रिटेन इस लड़ाई में रूस के खिलाफ है। रूस दुनिया के सबसे शक्तिशाली देशों में से एक है। ऐसे में अगर ब्रिटेन अमेरिका के लिए ईरान की तरफ रूख करता है तो रूस यूरोप में अपना दबदबा बढ़ा सकता है, जिसका सीधा नुकसान ब्रिटेन को होगा। यही वजह है कि ब्रिटेन अपना कदम फूंक-फूंक कर रख रहा है।

2- जानबूझकर जंग का ऑप्शन चुना- ब्रिटेन के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार पॉवेल ने हाल ही में एक रिपोर्ट ब्रिटेन के प्रधानमंत्री को सौंपी थी। पॉवेल का कहना था कि ईरान और अमेरिका के बीच समझौता लगभग फाइनल हो गया था। इसके बावजूद अमेरिका ने इजराइल के कहने पर अटैक कर दिया। ब्रिटेन का मानना है कि अमेरिका ने जानबूझकर जंग का ऑप्शन चुना है। इसलिए इस लड़ाई में कूदने से बचना चाहिए।

3- 20 मिनट में हो जाएगा ईरान का हमला– द सन के मुताबिक ईरान से अमेरिका की दूरी करीब 12000 किलोमीटर है। वहीं ईरान से ब्रिटेन की दूरी 2700 किमी के आसपास है। ईरान के पास ब्रिटेन पर हमला करने के लिए कई खतरनाक मिसाइलें मौजूद हैं। ईरान 20 मिनट के भीतर ब्रिटेन पर हमला कर सकता है। हाल ही में ईरान के विदेश मंत्री ने इस बाबत ब्रिटेन को चेतावनी भी भेजी थी। ब्रिटेन नहीं चाहता है कि इस जंग में उसके लोग भी सफर करें।

4- तीसरे विश्व युद्ध का खतरा- ईरान जंग में अगर ब्रिटेन उतरता है, तो तीसरे विश्वयुद्ध का खतरा दुनिया पर मंडरा सकता है। अभी जो सीजफायर की उम्मीद है, वो भी खत्म हो जाएगी। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री यह जानते हैं कि इससे मिडिल ईस्ट और यूरोप को सबसे ज्यादा नुकसान होगा। यही वजह है कि स्टार्मर ट्रंप की बेइज्जती सह कर भी खामोश हैं।

दिल्ली में कितने अवैध बांग्लादेशी, 9 महीने में 1500 से ज्यादा को किया डिपोर्ट, डेढ़ साल पहले शुरू हुआ था ऑपरेशन

ढाका, एजेंसी। देश की राजधानी दिल्ली में अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों के खिलाफ लगातार कार्रवाई जारी है। दिल्ली पुलिस का दावा है कि जून 2025 से फरवरी 2026 तक राजधानी में कुल 1,589 अवैध बांग्लादेशियों की पहचान कर उन्हें पकड़ा गया। इसके बाद इन सभी को अगरतला-बांग्लादेश सीमा के रास्ते वापस बांग्लादेश भेज दिया गया। यह पिछले सात महीनों (नवंबर 2024 से मई 2025) में पकड़े गए 720 लोगों की तुलना में दोगुना से अधिक है।

बांग्लादेशी प्रवासियों के खिलाफ ये अभियान नवंबर 2024 में केंद्रीय गृह मंत्रालय (MHA) के निर्देशों के बाद शुरू हुआ था। गृह मंत्रालय ने अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों और रोहिंग्या शरणार्थियों की पहचान, पुष्टि और हिरासत में लेने के आदेश दिए थे। इसी क्रम में दिल्ली पुलिस ने कार्रवाई शुरू की थी। दिल्ली पुलिस के आंकड़ों के अनुसार, 15 नवंबर 2024 से 20 अप्रैल 2025 के बीच लगभग 220 अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों को हिरासत में लिया गया और उन्हें फॉरेनर्स रीजनल रजिस्ट्रेशन ऑफिस (FRRO) को सौंपा गया। इसके बाद रेल और सड़क मार्ग से पूर्वी राज्यों तक पहुंचाया गया और बॉर्डर के रास्ते बांग्लादेश भेज दिया गया।

पहलगाम हमले के बाद अभियान में आई तेजी

बताया जाता है कि पहलगाम में 22 अप्रैल 2025 को हुए आतंकी हमले के बाद अभियान और तेज कर दिया गया। एक महीने के भीतर लगभग 500 अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों का पता लगाया गया। जून 2025 से फरवरी 2026 तक 1,589 अवैध बांग्लादेशी और 55 रोहिंग्या लोगों को हिरासत में लिया गया। आंकड़ों के मुताबिक, 2025 में सबसे ज्यादा लोगों को दिल्ली के बाहरी जिले से हिरासत में लिया गया (386)। इसके बाद क्रमशः दक्षिण-पूर्वी जिले (287), उत्तर-पश्चिमी (249), उत्तरी (194), दक्षिणी (191), बाहरी-उत्तरी (183), दक्षिण-पश्चिमी (168), मध्य (140), पश्चिमी (148), पूर्वी (118), द्वारका (99), शाहदरा (80), रोहिणी (71), उत्तर-पूर्वी (57) और नई दिल्ली (20) हैं।

ईंट भट्ठों में मजदूरी करते मिले बांग्लादेशी

दिल्ली पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि आउटर डिस्ट्रिक्ट की टीम को जानकारी मिली कि अधिकांश प्रवासी हरियाणा और राजस्थान की सीमावर्ती इलाकों में ईंट भट्ठों में मजदूर के तौर पर काम कर रहे थे। हमने उनके ठेकेदार और सहयोगियों का पता लगाया और तलाशी अभियान चला कर सभी अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों को हिरासत में लिया।

ट्रेन और विमानों से भेजा गया वापस

शुरुआत में 15 पुलिस डिस्ट्रिक्ट्स के DCPs ने वेरिफिकेशन ड्राइव की अगुवाई की। पकड़े गए लोगों को FRRO अधिकारियों की निगरानी में ट्रेन से पश्चिम बंगाल ले जाया गया और बस से BSF चौकियों तक पहुंचाया गया। पहलगाम आतंकी हमले के बाद उन्हें गाजियाबाद स्थित हिंडन एयर बेस से अगरतला तक विशेष हवाई उड़ानों के जरिए भेजा गया। तब से हिंडन से कई स्पेशल विमान के जरिए 1,589 बांग्लादेशी प्रवासियों को वापस भेजा गया है।

सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को निर्देश

अवैध घुसपैठ, जाली दस्तावेज़, पते और नौकरियां मुहैया कराने वाले नेटवर्क की जांच के लिए डिस्ट्रिक्ट पुलिस, क्राइम ब्रांच और स्पेशल सेल ने कई FIR दर्ज की हैं और कई चार्जशीट भी दायर की गई हैं। गृह मंत्रालय ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के पुलिस प्रमुखों को सीमाओं पर निगरानी बढ़ाने के निर्देश दिए हैं।

अशोक खरात विवाद : शिवसेना UBT का सरकार पर हमला, कहा– अंधविश्वास की भेंट चढ़ रही महाराष्ट्र की प्रगतिशील विरासत

मुंबई, एजेंसी। शिवसेना (यूबीटी) ने अपने मुखपत्र 'सामना' के जरिए महाराष्ट्र की मौजूदा राजनीति पर कड़ा प्रहार किया है। मामले में खुद को 'शाही ज्योतिषी' बताने वाले अशोक खरात के विवाद ने राज्य के राजनीतिक गलियारों में हलचल मचा दी है। पार्टी ने कहा, खरात को महिलाओं के शोषण और धोखाधड़ी के गंभीर आरोपों में गिरफ्तार किया गया है। इस मामले ने उन बड़े मंत्रियों और अधिकारियों को बेनकाब कर दिया है, जो राजनीतिक लाभ के लिए इस बाबा के दरबार में हाजिरी लगाते थे।

मामले को लेकर पार्टी ने अपने मुखपत्र 'सामना' में कहा गया, महाराष्ट्र की राजनीति अब प्रगतिशील विचारों को छोड़कर अंधविश्वास के जंगल में दबती जा रही है। पार्टी ने तंज कसते हुए कहा कि सत्ता का यह सफर गुवाहाटी के तटों से शुरू होकर खरात बाबा के आश्रम की चौखट तक जा रही है। यह बदलाव राज्य की जड़ों के लिए बहुत खतरनाक है। संपादकीय में दावा किया गया है कि खरात ने धर्म और भविष्य बताने के नाम पर कई महिलाओं का शोषण किया। इन गंभीर आरोपों के बाद भी कथित तौर पर राज्य कैबिनेट के कई सदस्य उसके पक्के भक्त बने रहे। शिवसेना ने कहा कि सिर्फ खरात ही अपराधी नहीं है, बल्कि वे नेता भी बराबर के दोषी हैं जो उसके पैरों में गिरते थे और उससे सलाह लेते थे।

लेख में मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष का भी जिक्र किया गया है। आरोप है कि कैबिनेट मंत्रियों ने कथित तौर पर अपने राजनीतिक विरोधियों को हराने के लिए 'अघोरी' (तंत्र-मंत्र) अनुष्ठान किए। शिवसेना का कहना है कि अगर खरात पर समय रहते कार्रवाई होती, तो कई पीड़ित महिलाओं को बचाया जा सकता था। सामना ने राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष की कड़ी आलोचना की है। लेख के अनुसार, उन्होंने एक ऐसे व्यक्ति के पैर धोए जिसने महिलाओं का शोषण किया। उनका इस्तीफा इस गहरे सिस्टम की गड़बड़ी को दबाने की एक कोशिश मात्र बताया गया।

संपादकीय में आसाराम बापू और राम रहीम जैसे लोगों का उदाहरण देते हुए सवाल पूछा गया कि सत्ताधारी दल ऐसे लोगों का समर्थन क्यों करता है।

लेख में महाराष्ट्र के महान समाज सुधारकों जैसे महात्मा ज्योतिबा फुले, डॉ. बी.आर. अंबेडकर और कवयित्री बहिणाबाई चौधरी के विचारों को याद किया गया। संपादकीय में कहा गया, बहिणाबाई ने हाथ की लकीरों के बजाय कड़ी मेहनत और आत्मनिर्भरता को महत्व दिया था। इसके उलट, आज के मंत्री ताबीज और धागों में जकड़े हुए हैं। वे अपनी योग्यता के बजाय तंत्र-मंत्र से सफलता पाना चाहते हैं। मामले को लेकर उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने टिप्पणी की कि 'मिर्ची यज्ञ' के धुएं ने आखिरकार मुख्यमंत्री फडणवीस की आंखें खोल दीं और कार्रवाई हुई। लेकिन इससे महाराष्ट्र की प्रगतिशील छवि को गहरा धक्का लगा है। पार्टी ने कहा जब सत्ता मेहनत के बजाय पैसे और साजिश से हासिल की जाती है, तो ऐसे ही अंधविश्वास पैदा होते हैं।

बंगाल में हुमायूं कबीर के साथ ओवैसी का गठबंधन, ममता बनर्जी की टीएमसी के लिए मुश्किल हुई लड़ाई

कोलकाता, एजेंसी। हैदराबाद से सांसद असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम ने पश्चिम बंगाल चुनाव के लिए हुमायूं कबीर की पार्टी आम जनता उन्नयन पार्टी (एजेयूपी) के साथ गठबंधन का एलान किया है। हुमायूं कबीर तृणमूल कांग्रेस से विधायक रहे हैं, लेकिन बीती साल टीएमसी ने कबीर को पार्टी से निष्कासित कर दिया था, जिसके बाद हुमायू कबीर ने नई पार्टी आम जनता उन्नयन पार्टी बनाने का फैसला किया।

हुमांयू कबीर ने आगामी विधानसभा चुनाव में 182 सीटों पर चुनाव लड़ने का फैसला किया है। हुमायूं कबीर 15 सीटों पर अपने उम्मीदवारों के नामों का एलान भी कर चुके हैं। हुमायूं कबीर खुद रेजीनगर सीट से चुनाव लड़ेंगे। हुमायूं कबीर दो मुर्शिदाबाद जिले की दो सीटों से चुनाव लड़ेंगे। जिनमें रेजीनगर के अलावा नौवाला सीट शामिल है।

हुमायूं कबीर मुर्शिदाबाद के बेलडांगा में बाबरी मस्जिद का निर्माण करा रहे हैं। जिसके लिए उन्हें करोड़ों

रुपये का चंदा मिलने की बात कही जा रही है। बाबरी मस्जिद के निर्माण को लेकर वे बीते दिनों काफी चर्चा में थे और जिस तरह से उन्हें लोगों का समर्थन मिला, उसे देखते हुए माना जा रहा है कि आगामी विधानसभा चुनाव में हुमायूं कबीर और असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी का गठबंधन सत्ताधारी टीएमसी को मुस्लिम बहुल सीटों पर खासा नुकसान पहुंचा सकता है।

ममता बनर्जी की ऐसे बढ़ी चिंता

पश्चिम बंगाल में मुस्लिम मतदाता 85 सीटों पर निर्णायक स्थिति में हैं। ये सीटें राज्य के पांच जिलों में फैली हैं, जिनमें मुर्शिदाबाद, मालदा, उत्तर दिनाजपुर, बीरभूम और दक्षिण 24 परगना शामिल हैं। ये जिले मुस्लिम बहुल हैं, जहां मुर्शिदाबाद में 66 फीसदी, मालदा में 51 फीसदी, उत्तरी दिनाजपुर में 49 फीसदी, बीरभूम में 37 फीसदी और दक्षिण 24 परगना में 35 फीसदी के करीब मुस्लिम आबादी रहती है। साल 2021 के विधानसभा चुनाव में टीएमसी ने इन जिलों की 85 विधानसभा सीटों में से 75 पर कब्जा जमाया था। मुर्शिदाबाद जिले में 22 विधानसभा सीटें हैं और मुर्शिदाबाद में हुमायूं कबीर का अच्छा खासा प्रभाव है। खासकर बाबरी मस्जिद के निर्माण की शुरुआत करने से हुमायूं कबीर का इस जिले में जनसमर्थन और बढ़ा है। ऐसे में अगर हुमायूं कबीर और एआईएमआईएम का गठबंधन मुर्शिदाबाद सहित अन्य मुस्लिम बहुल सीटों पर कुछ प्रतिशत वोट पाने में सफल रहा तो इससे टीएमसी की जीत का गणित गड़बड़ा सकता है। साथ ही कांग्रेस और लेफ्ट भी मुस्लिम बहुल सीटों में सेंध लगाने की कोशिश में है। यही वजह है कि हुमायूं कबीर और एआईएमआईएम के गठबंधन से टीएमसी नेतृत्व की चिंता बढ़नी स्वभाविक है। बंगाल में विधानसभा की 294 सीटे हैं , जिन पर दो चरणों में 23 और 29 अप्रैल को मतदान होगा। 4 मई को चुनाव के नतीजे घोषित किए जाएंगे।

शादी के 10 साल बाद मां बनेंगी दिव्यांका त्रिपाठी, फैंस के साथ साझा की खुशखबरी, फ्लॉन्ट किया बेबी बंप

दिव्यांका त्रिपाठी जल्दी ही मां बनने वाली हैं। सोशल मीडिया पर उन्होंने अपनी प्रेग्नेंसी का एलान किया है। उन्होंने अपने पति के साथ प्रेग्नेंसी फोटोशूट कराया है।

टीवी की मशहूर अभिनेत्री दिव्यांका त्रिपाठी जल्द ही मां बनने वाली हैं। इस बात की जानकारी उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट के जरिए दी है। उन्होंने अपने पति विवेक दहिया के साथ प्रेगनेंसी फोटो शूट करवाया है। इन तस्वीरों को शेयर करते हुए उन्होंने एक पोस्ट लिखी है। आइए जानते हैं उनकी पोस्ट में क्या है?

दिव्यांका त्रिपाठी ने जो तस्वीरें शेयर की हैं उनमें देखा जा सकता है कि वह अपने पति के साथ पोज दे रही हैं। एक तस्वीर में उन्होंने और विवेक दहिया ने बेबी बंप पर हाथ रखकर पोज दिया है। एक और तस्वीर में विवेक ने दिव्यांका को प्यार से अपनी बाहों में लिया है। एक और तस्वीर में विवेक ने छोटे जूते अपने हाथ में लिए हैं और दोनों मुस्कुरा रहे हैं।

प्यारा है दिव्यांका का कैप्शन

दिव्यांका ने अपनी पोस्ट में लिखा है '10 साल बाद कहानी में एक नया मोड़ आने वाला है। कुछ सफर जल्दबाजी वाले नहीं होते, बल्कि वे एक-दूसरे के साथ मिलकर किए जाते हैं। जब आपको लगता है कि आपकी कहानी पूरी हो चुकी है, तो जिंदगी उसमें सबसे खूबसूरत हिस्सा जोड़ देती है। अभी भी इस एहसास में डूबे हुए हैं। अभी भी बिना किसी वजह के मुस्कुरा रहे हैं। दिल में कृतज्ञता लिए हुए, हम माता-पिता बनने वाले हैं।'

दिव्यांका और विवेक का रिश्ता

आपको बता दें कि दिव्यांका त्रिपाठी और विवेक दहिया ने 8 जुलाई 2016 को शादी की थी। वे सोशल मीडिया पर अपनी रोमांटिक तस्वीरें और वीडियो शेयर करते रहते हैं। वे फैंस के पसंदीदा कपल्स में से एक हैं। दिव्यांका और विवेक ने एक साथ 'ये है मोहब्बतें' सीरियल में काम किया है। इसके अलावा यह जोड़ी रियलिटी शो 'नच बलिए सीजन 8' में एक साथ नजर आई थी।

वृषकर्मा की खास झलक में दिखा खौफनाक मंजर, राक्षसी शक्ति का नाश करते नजर आए नागा चैतन्य

एक्शन-एडवेंचर फिल्म के निर्देशक कार्तिक वर्मा दंडू की रहस्यमय थ्रिलर फिल्म वृषकर्मा की पहली झलक सामने आ चुकी है। झलक में एक अंधेरी अलौकिक दुनिया को दर्शाया गया है, जहां एक रहस्यमय रेखाचित्र वास्तविकता में तब्दील हो जाते हैं, जो राक्षसी शक्तियों की ओर इशारा करते हैं।

इस फिल्म की खास झलक की शुरुआत एक डरावने सीन से होती है। एक कमरे में स्पर्श श्रीवास्तव एक अजीब चित्र बनाते नजर आते हैं और फिर अचानक उनके मुंह से चमगादड़ निकलता नजर आता है। इस सीन से पते चलता है कि यह फिल्म काफी डरावनी और रहस्यमयी पहलुओं पर बनी है।

जब नागा चैतन्य की धमाकेदार एंट्री होती है। वे एक ऐसे खजाना खोजने वाले के रोल में हैं, जो पुरानी अंधेरी शक्तियों और रहस्यों से लड़ता है। उनका किरदार किसी राक्षसी ताकत का सामना करने के लिए चुना गया लगता है। कहानी में भाग्य और धर्म का कनेक्शन दिखता है। नागा चैतन्य का नया लुक और बॉडी ट्रांसफॉर्मेशन फैंस को काफी पसंद आ रहा है।

इस फिल्म में नागा के अलावा मीनाक्षी चौधरी मुख्य भूमिका में हैं। इस फिल्म में मीनाक्षी एक आर्कियोलॉजिस्ट के रोल में हैं और साथ ही इसकी कहानी के बड़े रहस्य को खोलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती नजर आ रही हैं।

वृषकर्मा एक रहस्यमयी थ्रिलर फिल्म है, जिसे कार्तिक दांडू ने डायरेक्ट किया है। इसकी झलक में पौराणिक कहानियां, सुपरनैचुरल हॉरर और एक्शन का मजेदार मिश्रण है। इस फिल्म को बीवीएसएन प्रसाद ने बनाया है और सुकुमार ने पटकथा लिखी है। इसमें ब्रह्मजी, जरीन वहाब और जयराम जैसे कलाकार भी हैं।

मोहनलाल की फिल्म दृश्यम 3 की रिलीज डेट टली?

जीतू जोसेफ द्वारा निर्देशित मोहनलाल की फिल्म दृश्यम 3, 2 अप्रैल, 2026 को रिलीज होने वाली थी। लेकिन मध्य पूर्व में चल रहे संघर्ष के कारण फिल्म की रिलीज स्थगित हो सकती है। जानें कब रिलीज होगी फिल्म?

मोहनलाल की बहुप्रतीक्षित फिल्म दृश्यम 3 की आधिकारिक रिलीज डेट 2 अप्रैल 2026 तय की गई है। मोहनलाल ने खुद सोशल मीडिया पर इसकी पुष्टि की थी।

रिपोर्ट के अनुसार, इस फिल्म की रिलीज टल सकती है। अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है, लेकिन चर्चा है कि यह मई या जून 2026 में रिलीज होगी।

फिल्म की रिलीज टलने की मुख्य वजह मध्य पूर्व में चल रहा तनाव और संघर्ष है। ईरान-इजराइल-अमेरिका के बीच की स्थिति के कारण वहां सिनेमाघरों में फिल्म चलाना मुश्किल हो रहा है। खाड़ी क्षेत्र मलयालम फिल्मों का बहुत बड़ा बाजार है, जहां कई बार फिल्में केरल से ज्यादा कमाई करती हैं। इसी वजह से कुछ बाकी बड़ी फिल्में जैसे यश की टॉक्सिक भी टल चुकी हैं। इसलिए दृश्यम 3 को भी टालने की बात हो रही है।

दृश्यम 3 दरअसल दृश्यम सीरीज की तीसरी और आखिरी फिल्म है। मोहनलाल जॉर्जकुट्टी के किरदार में वापसी करेंगे। यह कहानी एक साधारण परिवार वाले व्यक्ति की है, जो पहले वाली घटनाओं के बाद नए मुश्किलों में फंसता है। कहानी पिछली फिल्म से साढ़े चार साल बाद की है। दृश्यम 3 का निर्देशन जीतू जोसेफ कर रहे हैं। इस फिल्म में मीना, अंसीबा हसन, एस्थर अनिल, आशा शरथ, मुरली गोपी, सिद्दीकी आदि वापस लौटे हैं। इसकी शूटिंग सितंबर 2025 से दिसंबर 2025 तक चली।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित। शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com